قرآن مجید

लफ़्ज़ी तरजुमा

eParah

وَاِذَا سَمِعُوْا

पारा - 7

الجزء 7

تَفِيْضُ	اَعْيُنَهُمْ	تَرٰٓى	اِلَى الرَّسُوْلِ	اُنْزِلَ	مَآ	سَمِعُوْا	وَ اِذَا
बह पड़ती हैं	उनकी आंखों को	आप देखते हैं	तरफ़ रसूल के	नाज़िल किया गया	जो	वो सुनते हैं	और जब

رَبَّنَآ	يَقُوْلُوْنَ	مِنَ الْحَقِّ ج	عَرَفُوْا	مِمَّا	مِنَ الدَّمْعِ
ऐ हमारे रब	वो कहते हैं	हक़ को	उन्होंने पहचान लिया	इस (वजह) से जो	आंसुओं से

بِاللّٰهِ	لَا نُؤْمِنُ	لَنَا	وَمَا	الشّٰهِدِيْنَ (83)	مَعَ	فَاكْتُبْنَا	اٰمَنَّا
अल्लाह पर	कि ना हम ईमान लाऐं	हमें	और क्या है	शहादत देने वालों के	साथ	पस लिख दे हमें	ईमान लाए हम

مَعَ	رَبُّنَا	يُّدْخِلَنَا	اَنْ	وَ نَطْمَعُ	مِنَ الْحَقِّ لا	جَآءَنَا	وَمَا
साथ	रब हमारा	दाख़िल करेगा हमें	कि	और हम उम्मीद रखते हैं	हक़ में से	आया हमारे पास	और (उस पर) जो

جَنّٰتٍ	قَالُوْا	بِمَا	اللّٰهُ	فَاَثَابَهُمُ	الصّٰلِحِيْنَ (84)	الْقَوْمِ
बाग़ात को	उन्होंने कहा	बवजह उसके जो	अल्लाह ने	पस बदले में दिया उन्हें	जो सालेह हैं	उन लोगों के

جَزَآءُ	وَ ذٰلِكَ	فِيْهَا ط	خٰلِدِيْنَ	الْاَنْهٰرُ	مِنْ تَحْتِهَا	تَجْرِيْ
बदला है	और ये	उनमें	हमेशा रहने वाले हैं	नहरें	उनके नीचे से	बहती हैं

اَصْحٰبُ	اُولٰٓئِكَ	بِاٰيٰتِنَآ	وَ كَذَّبُوْا	كَفَرُوْا	وَالَّذِيْنَ	الْمُحْسِنِيْنَ (85)
साथी	यही लोग हैं	हमारी आयात को	और उन्होंने झुठलाया	कुफ़्र किया	और वो जिन्होंने	एहसान करने वालों का

ع 11 9 1

اَحَلَّ	مَآ	طَيِّبٰتِ	لَا تُحَرِّمُوْا	اٰمَنُوْا	يٰٓاَيُّهَا الَّذِيْنَ	الْجَحِيْمِ (86) ع
हलाल कीं	जो	पाकीज़ा चीज़ें	ना तुम हराम करो	ईमान लाए हो	ऐ लोगो जो	जहन्नम के

الْمُعْتَدِيْنَ (87)	لَا يُحِبُّ	اللّٰهَ	اِنَّ	تَعْتَدُوْا ط	وَلَا	لَكُمْ	اللّٰهُ
हद से तजावुज़ करने वालों को	नहीं वो पसंद करता	अल्लाह	बेशक	तुम हद से तजावुज़ करो	और ना	तुम्हारे लिए	अल्लाह ने

الَّذِيْٓ	اللّٰهَ	وَّاتَّقُوا	طَيِّبًا ص	حَلٰلًا	اللّٰهُ	رَزَقَكُمُ	مِمَّا	وَ كُلُوْا
वो जो	अल्लाह से	और डरो	पाकीज़ा	हलाल	अल्लाह ने	रिज़्क़ दिया तुम्हें	उसमें से जो	और खाओ

© AL-QURAN INTERNATIONAL WELFARE FOUNDATION

اَنْتُمْ	بِهٖ	مُؤْمِنُوْنَ (88)	لَا يُؤَاخِذُكُمُ	اللّٰهُ	بِاللَّغْوِ	فِيْٓ اَيْمَانِكُمْ
तुम	जिस पर	ईमान रखते हो	नहीं मुआख़ज़ा करता तुम्हारा	अल्लाह	लग़्व पर	तुम्हारी क़समों में

وَلٰكِنْ	يُّؤَاخِذُكُمْ	بِمَا	عَقَّدْتُّمُ	الْاَيْمَانَ ج	فَكَفَّارَتُهٗٓ	اِطْعَامُ
और लेकिन	वो मुआख़ज़ा करता है तुम्हारा	उन पर जो	मज़बूत बांधी तुमने	क़समें	तो कफ़्फ़ारा है उसका	खाना खिलाना

عَشَرَةِ	مَسٰكِيْنَ	مِنْ اَوْسَطِ	مَا	تُطْعِمُوْنَ	اَهْلِيْكُمْ	اَوْ
दस	मिस्कीनों को	औसत दर्जे का	जो	तुम खिलाते हो	अपने घरवालों को	या

كِسْوَتُهُمْ	اَوْ	تَحْرِيْرُ	رَقَبَةٍ ط	فَمَنْ	لَّمْ	يَجِدْ	فَصِيَامُ
कपड़े पहनाना उन्हें	या	आज़ाद करना	एक गर्दन का	पस जो कोई	ना	पाए	तो रोज़े रखना हैं

ثَلٰثَةِ	اَيَّامٍ ط	ذٰلِكَ	كَفَّارَةُ	اَيْمَانِكُمْ	اِذَا	حَلَفْتُمْ ط	وَاحْفَظُوْٓا
तीन	दिनों के	ये	कफ़्फ़ारा है	तुम्हारी क़समों का	जब	क़सम खाओ तुम	और हिफ़ाज़त किया करो

اَيْمَانَكُمْ ط	كَذٰلِكَ	يُبَيِّنُ	اللّٰهُ	لَكُمْ	اٰيٰتِهٖ	لَعَلَّكُمْ	تَشْكُرُوْنَ (89)
अपनी क़समों की	इसी तरह	वाज़े करता है	अल्लाह	तुम्हारे लिए	अपनी आयात को	ताकि तुम	तुम शुक्र करो

يٰٓاَيُّهَا الَّذِيْنَ	اٰمَنُوْٓا	اِنَّمَا	الْخَمْرُ	وَالْمَيْسِرُ	وَالْاَنْصَابُ	وَالْاَزْلَامُ
ऐ लोगो जो	ईमान लाए हो	बेशक	शराब (नशा)	और जुआ	और बुत	और फ़ाल के तीर

رِجْسٌ	مِّنْ عَمَلِ	الشَّيْطٰنِ	فَاجْتَنِبُوْهُ	لَعَلَّكُمْ	تُفْلِحُوْنَ (90)	اِنَّمَا
नापाक हैं	अमल से हैं	शैतान के	पस बचो उससे	ताकि तुम	तुम फ़लाह पाओ	बेशक

يُرِيْدُ	الشَّيْطٰنُ	اَنْ	يُّوْقِعَ	بَيْنَكُمُ	الْعَدَاوَةَ	وَالْبَغْضَآءَ	فِي الْخَمْرِ
चाहता है	शैतान	कि	वो डाल दे	दर्मियान तुम्हारे	अदावत	और बुग़्ज़	बवजह शराब (नशे)

وَالْمَيْسِرِ	وَيَصُدَّكُمْ	عَنْ ذِكْرِ	اللّٰهِ	وَعَنِ الصَّلٰوةِ ج	فَهَلْ	اَنْتُمْ
और जुए के	और रोक दे तुम्हें	ज़िक्र से	अल्लाह के	और नमाज़ से	तो क्या	तुम

© AL-HUDA INTERNATIONAL WELFARE FOUNDATION

فَاِنْ	وَاحْذَرُوْا ج	الرَّسُوْلَ	وَاَطِيْعُوا	اللّٰهَ	وَاَطِيْعُوا	مُّنْتَهُوْنَ ﴿91﴾
फिर अगर	और डरो	रसूल की	और इताअत करो	अल्लाह की	और इताअत करो	बाज़ आने वाले हो

لَيْسَ	الْمُبِيْنُ ﴿92﴾	الْبَلٰغُ	عَلٰى رَسُوْلِنَا	اَنَّمَا	فَاعْلَمُوْٓا	تَوَلَّيْتُمْ
नहीं है	खुल्लम-खुल्ला	पहुंचा देना है	हमारे रसूल के ज़िम्मे	बेशक	तो जान लो	मुंह मोड़ लिया तुमने

اِذَا مَا	طَعِمُوْٓا	فِيْمَا	جُنَاحٌ	الصّٰلِحٰتِ	وَعَمِلُوا	اٰمَنُوْا	عَلَى الَّذِيْنَ
जब	उन्होंने खाया	उसमें जो	कोई गुनाह	नेक	और उन्होंने अमल किए	ईमान लाए	ऊपर उनके जो

ثُمَّ	وَّاٰمَنُوْا	اتَّقَوْا	ثُمَّ	الصّٰلِحٰتِ	وَعَمِلُوا	وَّاٰمَنُوْا	اتَّقَوْا
फिर	और वो ईमान लाए	उन्होंने तक़्वा किया	फिर	नेक	और उन्होंने अमल किए	और वो ईमान लाए	उन्होंने तक़्वा किया

ع 12 7 2

يٰٓاَيُّهَا الَّذِيْنَ	الْمُحْسِنِيْنَ ﴿93﴾ ع	يُحِبُّ	وَاللّٰهُ	وَّاَحْسَنُوْا ط	اتَّقَوْا
ऐ लोगो जो	नेक काम करने वालों को	वो पसंद करता है	और अल्लाह	और उन्होंने नेक काम किए	उन्होंने तक़्वा किया

اَيْدِيْكُمْ	تَنَالُهٗٓ	مِّنَ الصَّيْدِ	بِشَيْءٍ	اللّٰهُ	لَيَبْلُوَنَّكُمُ	اٰمَنُوْا
हाथ तुम्हारे	पा लेंगे उसे	शिकार में से	साथ एक चीज़ के	अल्लाह	अलबत्ता ज़रूर आज़माएगा तुम्हें	ईमान लाए हो

اعْتَدٰى	فَمَنِ	بِالْغَيْبِ	يَّخَافُهٗ	مَنْ	اللّٰهُ	لِيَعْلَمَ	وَرِمَاحُكُمْ
ज़्यादती करे	तो जो कोई	ग़ायबाना तौर पर	डरता है उससे	कौन	अल्लाह	ताकि जान ले	और नेज़े तुम्हारे

لَا تَقْتُلُوا	اٰمَنُوْا	يٰٓاَيُّهَا الَّذِيْنَ	اَلِيْمٌ ﴿94﴾	عَذَابٌ	فَلَهٗ	بَعْدَ ذٰلِكَ
ना तुम मारो	ईमान लाए हो	ऐ लोगो जो	दर्दनाक	अज़ाब है	तो उसके लिए	बाद उसके

فَجَزَآءٌ	مُّتَعَمِّدًا	مِنْكُمْ	قَتَلَهٗ	وَمَنْ	حُرُمٌ	وَاَنْتُمْ	الصَّيْدَ
तो बदला है	जान-बूझ कर	तुम में से	मारा उसे	और जिसने	एहराम में हो	जब कि तुम	शिकार को

هَدْيًا	مِّنْكُمْ	ذَوَا عَدْلٍ	بِهٖ	يَحْكُمُ	مِنَ النَّعَمِ	قَتَلَ	مَا	مِّثْلُ
बतौर क़ुर्बानी के	तुम में से	दो अदल वाले	उसका	फ़ैसला करेंगे	चौपायों में से	उसने मारा	उसके जो	मानिंद

AL-QURAN INTERNATIONAL WELFARE FOUNDATION

ذٰلِكَ	عَدْلُ	اَوْ	مَسٰكِيْنَ	طَعَامُ	كَفَّارَةٌ	اَوْ	الْكَعْبَةِ	بٰلِغَ
उसके	बराबर	या	चंद मिस्कीनों का	खाना खिलाना	कफ़्फ़ारा है	या	काबा तक	पहुंचने वाली

وَمَنْ	سَلَفَ ط	عَمَّا	اللّٰهُ	عَفَا	اَمْرِهٖ ط	وَبَالَ	لِّيَذُوْقَ	صِيَامًا
और जो कोई	गुज़र चुका	उससे जो	अल्लाह ने	दरगुज़र किया	अपने काम का	वबाल	ताकि वो चखें	रोज़े रखना है

اُحِلَّ	ذُو انْتِقَامٍ (95)	عَزِيْزٌ	وَاللّٰهُ	مِنْهُ ط	اللّٰهُ	فَيَنْتَقِمُ	عَادَ
हलाल किया गया है	इंतिक़ाम लेने वाला है	बहुत ज़बरदस्त है	और अल्लाह	उससे	अल्लाह	तो इंतिक़ाम लेगा	लौटा

وَلِلسَّيَّارَةِ ج	لَّكُمْ	مَتَاعًا	وَطَعَامُهٗ	الْبَحْرِ	صَيْدُ	لَكُمْ
और क़ाफ़िले के लिए	तुम्हारे लिए	फायदामंद है	और खाना उसका	समुन्दर का	शिकार	तुम्हारे लिए

اللّٰهَ	وَاتَّقُوا	حُرُمًا ط	مَا دُمْتُمْ	الْبَرِّ	صَيْدُ	عَلَيْكُمْ	وَحُرِّمَ
अल्लाह से	और डरो	एहराम में	जब तक हो तुम	खुश्की का	शिकार	तुम पर	और हराम किया गया

الْحَرَامَ	الْبَيْتَ	الْكَعْبَةَ	اللّٰهُ	جَعَلَ	تُحْشَرُوْنَ (96)	اِلَيْهِ	الَّذِيْٓ
हुरमत वाला	घर	काबा को	अल्लाह ने	बनाया	तुम इकट्ठे किए जाओगे	तरफ़ उसी के	वो जो

ذٰلِكَ	وَالْقَلَآئِدَ ط	وَالْهَدْيَ	الْحَرَامَ	وَالشَّهْرَ	لِّلنَّاسِ	قِيٰمًا
ये (इसलिए)	और पट्टे वाले जानवरों को	और क़ुर्बानी को	हराम को	और माहे	लोगों के लिए	क़याम का ज़रिया

فِي الْاَرْضِ	وَمَا	فِي السَّمٰوٰتِ	مَا	يَعْلَمُ	اللّٰهَ	اَنَّ	لِتَعْلَمُوْٓا
ज़मीन में है	और जो कुछ	आसमानों में है	जो कुछ	वो जानता है	अल्लाह	बेशक	ताकि तुम जान लो

شَدِيْدُ	اللّٰهَ	اَنَّ	اِعْلَمُوْٓا	عَلِيْمٌ (97)	شَيْءٍ	بِكُلِّ	اللّٰهَ	وَاَنَّ
सख़्त	अल्लाह	बेशक	जान लो	ख़ूब जानने वाला है	चीज़ को	हर	अल्लाह	और बेशक

عَلَى الرَّسُوْلِ	مَا	رَّحِيْمٌ (98) ط	غَفُوْرٌ	اللّٰهَ	وَاَنَّ	الْعِقَابِ
रसूल पर	नहीं है	निहायत रहम करने वाला है	बहुत बख़्शने वाला है	अल्लाह	और बेशक	सज़ा वाला है

© AL-HUDA INTERNATIONAL WELFARE FOUNDATION

ع 13 7 3

اِلَّا	الْبَلٰغُ ؕ	وَاللّٰهُ	يَعْلَمُ	مَا	تُبْدُوْنَ	وَمَا	تَكْتُمُوْنَ (99)
मगर	पहुंचा देना	और अल्लाह	जानता है	जो	तुम ज़ाहिर करते हो	और जो	तुम छुपाते हो

قُلْ	لَّا يَسْتَوِى	الْخَبِيْثُ	وَالطَّيِّبُ	وَلَوْ	اَعْجَبَكَ	كَثْرَةُ	الْخَبِيْثِ ۚ
कह दीजिए	नहीं बराबर हो सकते	नापाक	और पाक	और अगरचे	अच्छी लगे तुम्हें	कसरत	नापाक की

فَاتَّقُوا	اللّٰهَ	يٰۤاُولِى الْاَلْبَابِ	لَعَلَّكُمْ	تُفْلِحُوْنَ (100) ع	يٰۤاَيُّهَا الَّذِيْنَ
पस डरो	अल्लाह से	ऐ अक़्ल वालो	ताकि तुम	तुम फ़लाह पा जाओ	ऐ लोगो जो

اٰمَنُوْا	لَا تَسْـَٔلُوْا	عَنْ اَشْيَآءَ	اِنْ	تُبْدَ	لَكُمْ	تَسُؤْكُمْ ۚ
ईमान लाए हो	ना तुम सवाल करो	ऐसी चीज़ों के बारे में	अगर	वो ज़ाहिर कर दी जाएं	तुम्हारे लिए	बुरी लगें तुम्हें

وَاِنْ	تَسْـَٔلُوْا	عَنْهَا	حِيْنَ	يُنَزَّلُ	الْقُرْاٰنُ	تُبْدَ	لَكُمْ ؕ
और अगर	तुम सवाल करोगे	उनके बारे में	जिस वक़्त	नाज़िल किया जाता है	कुरआन	वो ज़ाहिर कर दी जाएंगी	तुम्हारे लिए

عَفَا	اللّٰهُ	عَنْهَا ؕ	وَاللّٰهُ	غَفُوْرٌ	حَلِيْمٌ (101)	قَدْ	سَاَلَهَا
दरगुज़र किया	अल्लाह ने	उनसे	और अल्लाह	बहुत बख़्शने वाला है	बहुत बुर्दबार है	तहक़ीक़	सवाल किया था उनके बारे में

قَوْمٌ	مِّنْ قَبْلِكُمْ	ثُمَّ	اَصْبَحُوْا	بِهَا	كٰفِرِيْنَ (102)	مَا	جَعَلَ
एक क़ौम ने	तुम से पहले	फिर	वो हो गए	उनका	इंकार करने वाले	नहीं	बनाया

اللّٰهُ	مِنْۢ بَحِيْرَةٍ	وَّلَا	سَآئِبَةٍ	وَّلَا	وَصِيْلَةٍ	وَّلَا حَامٍ ۙ	وَّلٰكِنَّ
अल्लाह ने	कोई बहीरा	और ना	कोई साएबा	और ना	कोई वसीला	और ना कोई हाम	और लेकिन

الَّذِيْنَ	كَفَرُوْا	يَفْتَرُوْنَ	عَلَى اللّٰهِ	الْكَذِبَ ؕ	وَاَكْثَرُهُمْ	لَا يَعْقِلُوْنَ (103)
वो जिन्होंने	कुफ़्र किया	वो गढ़ लेते हैं	अल्लाह पर	झूठ	और अक्सर उनके	नहीं वो अक़्ल रखते

وَاِذَا	قِيْلَ	لَهُمْ	تَعَالَوْا	اِلٰى	مَآ	اَنْزَلَ	اللّٰهُ
और जब	कहा जाता है	उन्हें	आओ	तरफ़	उसके जो	नाज़िल किया	अल्लाह ने

© AL-HUDA INTERNATIONAL WELFARE FOUNDATION

وَاِلَى الرَّسُوْلِ	قَالُوْا	حَسْبُنَا	مَا	وَجَدْنَا	عَلَيْهِ	اٰبَآءَنَا ؕ
और तरफ़ रसूल के	वो कहते हैं	काफ़ी है हमें	जो	पाया हमने	उस पर	अपने आबा ओ अजदाद को

اَوَلَوْ	كَانَ	اٰبَآؤُهُمْ	لَا يَعْلَمُوْنَ	شَيْئًا	وَّلَا	يَهْتَدُوْنَ (104)
क्या भला अगरचे	हों	आबा ओ अजदाद उनके	ना वो इल्म रखते	कुछ भी	और ना	वो हिदायत याफ़्ता हों

يٰۤاَيُّهَا الَّذِيْنَ	اٰمَنُوْا	عَلَيْكُمْ	اَنْفُسَكُمْ ۚ	لَا يَضُرُّكُمْ	مَّنْ	ضَلَّ
ऐ लोगो जो	ईमान लाए हो	लाज़िम है तुम पर (बचाना)	अपनी जानों को	ना नुक़्सान देगा तुम्हें	जो	भटक गया

اِذَا	اهْتَدَيْتُمْ ؕ	اِلَى اللّٰهِ	مَرْجِعُكُمْ	جَمِيْعًا	فَيُنَبِّئُكُمْ	بِمَا	كُنْتُمْ
जब	हिदायत पा चुके तुम	तरफ़ अल्लाह ही के	लौटना है तुम्हारा	सबका	फिर वो बता देगा तुम्हें	वो जो	थे तुम

تَعْمَلُوْنَ (105)	يٰۤاَيُّهَا الَّذِيْنَ	اٰمَنُوْا	شَهَادَةُ	بَيْنِكُمْ	اِذَا	حَضَرَ
तुम अमल करते	ऐ लोगो जो	ईमान लाए हो	गवाही हो	तुम्हारे दर्मियान	जब	हाज़िर हो

اَحَدَكُمُ	الْمَوْتُ	حِيْنَ	الْوَصِيَّةِ	اثْنٰنِ	ذَوَا عَدْلٍ	مِّنْكُمْ	اَوْ
तुम में से किसी एक को	मौत	वक़्त	वसीयत के	दो	अदल वालों की	तुम में से	या

اٰخَرٰنِ	مِنْ غَيْرِكُمْ	اِنْ	اَنْتُمْ	ضَرَبْتُمْ	فِى الْاَرْضِ	فَاَصَابَتْكُمْ
दो और	तुम्हारे इलावा से	अगर	तुम	सफ़र कर रहे हो तुम	ज़मीन में	फिर पहुंचे तुम्हें

مُّصِيْبَةُ	الْمَوْتِ ؕ	تَحْبِسُوْنَهُمَا	مِنْ بَعْدِ	الصَّلٰوةِ	فَيُقْسِمٰنِ
मुसीबत	मौत की	तुम रोक लो उन दोनों को	बाद	नमाज़ के	फिर वो दोनों क़समें खाऐं

بِاللّٰهِ	اِنِ	ارْتَبْتُمْ	لَا نَشْتَرِىْ	بِهٖ	ثَمَنًا	وَّلَوْ	كَانَ
अल्लाह की	अगर	शक करो तुम	कि ना हम लेंगे	साथ उसके	कोई क़ीमत	और अगरचे	हो वो

ذَا قُرْبٰى ۙ	وَلَا	نَكْتُمُ	شَهَادَةَ ۙ	اللّٰهِ	اِنَّاۤ	اِذًا	لَّمِنَ الْاٰثِمِيْنَ (106)
रिश्तेदार	और ना	हम छुपाऐंगे	गवाही को	अल्लाह की	बेशक हम	तब	अलबत्ता गुनाहगारों में से होंगे

AL-HUDA INTERNATIONAL WELFARE FOUNDATION

فَاِنۡ	عُثِرَ	عَلٰۤى	اَنَّهُمَا	اسۡتَحَقَّاۤ	اِثۡمًا	فَاٰخَرٰنِ	يَقُوۡمٰنِ
फिर अगर	इत्तिला हो जाए	उस पर	कि बेशक वो दोनों	वो मुस्तहिक़ हुए हैं	गुनाह के	पस दो दूसरे	वो दोनों खड़े होंगे

مَقَامَهُمَا	مِنَ الَّذِيۡنَ	اسۡتَحَقَّ	عَلَيۡهِمُ	الۡاَوۡلَيٰنِ	فَيُقۡسِمٰنِ
उन दोनों की जगह	उन लोगों में से	हक़ साबित हो गया	जिन पर	दो क़रीब-तरीन	फिर वो दोनों क़समें खाएंगे

بِاللّٰهِ	لَشَهَادَتُنَاۤ	اَحَقُّ	مِنۡ شَهَادَتِهِمَا	وَمَا	اعۡتَدَيۡنَاۤ ۖ	اِنَّاۤ
अल्लाह की	अलबत्ता गवाही हमारी	ज़्यादा सच्ची है	उन दोनों की गवाही से	और नहीं	ज़्यादती की हमने	बेशक हम

اِذًا	لَّمِنَ الظّٰلِمِيۡنَ ﴿107﴾	ذٰلِكَ	اَدۡنٰٓى	اَنۡ	يَّاۡتُوۡا	بِالشَّهَادَةِ
तब	अलबत्ता ज़ालिमों में से होंगे	ये	ज़्यादा क़रीब है	कि	वो लाएं	गवाही को

عَلٰى وَجۡهِهَاۤ	اَوۡ	يَخَافُوۡۤا	اَنۡ	تُرَدَّ	اَيۡمَانٌۢ	بَعۡدَ	اَيۡمَانِهِمۡ ؕ
उसके (असल) रुख़ पर	या	वो डरें	कि	रद्द कर दी जाएंगी	(उनकी) क़समें	बाद	उन (विरसा) की क़समों के

ع 14 8 4

وَاتَّقُوا	اللّٰهَ	وَاسۡمَعُوۡا ؕ	وَاللّٰهُ	لَا يَهۡدِى	الۡقَوۡمَ	الۡفٰسِقِيۡنَ ﴿108﴾ ع
और डरो	अल्लाह से	और सुनो	और अल्लाह	नहीं वो हिदायत देता	उन लोगों को	जो फासिक़ हैं

يَوۡمَ	يَجۡمَعُ	اللّٰهُ	الرُّسُلَ	فَيَقُوۡلُ	مَاذَاۤ	اُجِبۡتُمۡ ؕ	قَالُوۡا
जिस दिन	जमा करेगा	अल्लाह	रसूलों को	फिर वो कहेगा	क्या	जवाब दिए गए थे तुम	वो कहेंगे

لَا عِلۡمَ	لَنَا ؕ	اِنَّكَ	اَنۡتَ	عَلَّامُ	الۡغُيُوۡبِ ﴿109﴾	اِذۡ	قَالَ	اللّٰهُ
नहीं कोई इल्म	हमें	बेशक तू	तू ही है	ख़ूब जानने वाला	ग़ैबों का	जब	फरमाएगा	अल्लाह

وقف لازم

يٰعِيۡسَى ابۡنَ مَرۡيَمَ	اذۡكُرۡ	نِعۡمَتِىۡ	عَلَيۡكَ	وَعَلٰى وَالِدَتِكَ ۘ	اِذۡ
ऐ ईसा इबने मरियम	याद करो	मेरी नेअमत (जो)	तुझ पर है	और तेरी वालिदा पर	जब

اَيَّدْتُّكَ	بِرُوۡحِ الۡقُدُسِ ۙ قف	تُكَلِّمُ	النَّاسَ	فِى الۡمَهۡدِ	وَكَهۡلًا ۚ
ताईद की मैंने तेरी	साथ रुहुल क़ुदुस के	तू कलाम करता था	लोगों से	गहवारे में	और अधेड़ उम्र में

© AL-HUDA INTERNATIONAL WELFARE FOUNDATION

وَاِذْ	عَلَّمْتُكَ	الْكِتٰبَ	وَالْحِكْمَةَ	وَالتَّوْرٰىةَ	وَالْاِنْجِيْلَ ج	وَاِذْ
और जब	तालीम दी मैंने तुझे	किताब	और हिक्मत की	और तौरात	और इंजील की	और जब

تَخْلُقُ	مِنَ الطِّيْنِ	كَهَيْـَٔةِ	الطَّيْرِ	بِاِذْنِيْ	فَتَنْفُخُ	فِيْهَا
तू बनाता था	मिट्टी से	मानिंद शक्ल	परिंदे की	मेरे इज़्न से	फिर तू फूंक मारता था	उस में

فَتَكُوْنُ	طَيْرًا	بِاِذْنِيْ	وَتُبْرِئُ	الْاَكْمَهَ	وَالْاَبْرَصَ	بِاِذْنِيْ ج
फिर वो हो जाता था	परिंदा	मेरे इज़्न से	और तू अच्छा कर देता था	पैदाइशी अंधे को	और बर्स वाले को	मेरे इज़्न से

وَاِذْ	تُخْرِجُ	الْمَوْتٰى	بِاِذْنِيْ ج	وَاِذْ	كَفَفْتُ	بَنِيْٓ اِسْرَآءِيْلَ
और जब	तू निकालता था	मुर्दों को	मेरे इज़्न से	और जब	रोका मैंने	बनी इस्राईल को

عَنْكَ	اِذْ	جِئْتَهُمْ	بِالْبَيِّنٰتِ	فَقَالَ	الَّذِيْنَ	كَفَرُوْا	مِنْهُمْ
तुझसे	जब	लाया तू उनके पास	वाज़ेह निशानियां	तो कहा	उन्होंने जिन्होंने	कुफ़्र किया	उनमें से

اِنْ	هٰذَآ	اِلَّا	سِحْرٌ	مُّبِيْنٌ (110)	وَاِذْ	اَوْحَيْتُ	اِلَى الْحَوَارِيّٖنَ
नहीं है	ये	मगर	जादू	खुल्लम-खुल्ला	और जब	वही की मैंने	तरफ़ हवारियों के

اَنْ	اٰمِنُوْا	بِيْ	وَبِرَسُوْلِيْ ج	قَالُوْٓا	اٰمَنَّا	وَاشْهَدْ	بِاَنَّنَا
ये कि	ईमान लाओ	मुझ पर	और मेरे रसूल पर	उन्होंने कहा	ईमान लाए हम	और गवाह रह	बेशक हम

مُسْلِمُوْنَ (111)	اِذْ	قَالَ	الْحَوَارِيُّوْنَ	يٰعِيْسَى ابْنَ مَرْيَمَ	هَلْ
मुसलमान हैं	जब	कहा	हवारियों ने	ऐ ईसा इबने मरयम	क्या

يَسْتَطِيْعُ	رَبُّكَ	اَنْ	يُّنَزِّلَ	عَلَيْنَا	مَآئِدَةً	مِّنَ السَّمَآءِ ط	قَالَ
इस्तिताअत रखता है	रब तेरा	कि	वो उतारे	हम पर	एक दस्तरख़ान	आसमान से	उसने कहा

اتَّقُوا	اللّٰهَ	اِنْ	كُنْتُمْ	مُّؤْمِنِيْنَ (112)	قَالُوْا	نُرِيْدُ	اَنْ
डरो	अल्लाह से	अगर	हो तुम	मोमिन	उन्होंने कहा	हम चाहते हैं	कि

© AL-HUDA INTERNATIONAL WELFARE FOUNDATION

نَّاْكُلَ	مِنْهَا	وَتَطْمَئِنَّ	قُلُوْبُنَا	وَنَعْلَمَ	اَنْ	قَدْ	صَدَقْتَنَا
हम खाएं	उससे	और मुत्मइन हो जाएं	दिल हमारे	और हम जान लें	कि	तहक़ीक़	सच कहा तूने हमसे

الربع

وَنَكُوْنَ	عَلَيْهَا	مِنَ الشّٰهِدِيْنَ (113)	قَالَ	عِيْسَى ابْنُ مَرْيَمَ	اللّٰهُمَّ
और हम हो जाएं	उस पर	गवाहों में से	कहा	ईसा इबने मरयम ने	ऐ अल्लाह

رَبَّنَآ	اَنْزِلْ	عَلَيْنَا	مَآئِدَةً	مِّنَ السَّمَآءِ	تَكُوْنُ	لَنَا	عِيْدًا
ऐ हमारे रब	उतार	हम पर	एक दस्तरख़्वान	आसमान से	वो हो जाए	हमारे लिए	ईद

لِّاَوَّلِنَا	وَاٰخِرِنَا	وَاٰيَةً	مِّنْكَ ج	وَارْزُقْنَا	وَاَنْتَ
वास्ते हमारे पहलों के	और हमारे पिछलों के	और एक निशानी	तेरी तरफ़ से	और रिज़्क़ दे हमें	और तू

خَيْرُ	الرّٰزِقِيْنَ (114)	قَالَ	اللّٰهُ	اِنِّىْ	مُنَزِّلُهَا	عَلَيْكُمْ ج
बेहतर है	सब रिज़्क़ देने वालों से	फ़रमाया	अल्लाह ने	बेशक मैं	नाज़िल करने वाला हूं उसे	तुम पर

فَمَنْ	يَّكْفُرْ	بَعْدُ	مِنْكُمْ	فَاِنِّىْٓ	اُعَذِّبُهٗ	عَذَابًا
तो जो कोई	कुफ़्र करेगा	बाद उसके	तुम में से	तो बेशक मैं	मैं अज़ाब दूंगा उसे	ऐसा अज़ाब

15 ع 7 5

لَّآ اُعَذِّبُهٗٓ	اَحَدًا	مِّنَ الْعٰلَمِيْنَ (115) ع	وَاِذْ	قَالَ	اللّٰهُ
नहीं मैं अज़ाब दूंगा वो	किसी एक को	तमाम जहान वालों में से	और जब	फरमाएगा	अल्लाह

يٰعِيْسَى ابْنَ مَرْيَمَ	ءَاَنْتَ	قُلْتَ	لِلنَّاسِ	اتَّخِذُوْنِىْ	وَاُمِّىَ
ऐ ईसा इबने मरियम	क्या तूने	कहा था तूने	लोगों से	बना लो मुझे	और मेरी मां को

اِلٰهَيْنِ	مِنْ دُوْنِ	اللّٰهِ ط	قَالَ	سُبْحٰنَكَ	مَا	يَكُوْنُ	لِىْٓ	اَنْ
दो इलाह	सिवाए	अल्लाह के	वो कहेंगे	पाक है तू	नहीं	है	मेरे लिए	कि

وقف النبي صلى الله عليه وسلم

اَقُوْلَ	مَا	لَيْسَ	لِىْ ق	بِحَقٍّ ط	اِنْ	كُنْتُ	قُلْتُهٗ	فَقَدْ
मैं कहूं (वो बात)	जिसका	नहीं	मुझे	कोई हक़	अगर	था मैं	कहता मैं उसको	तो तहक़ीक

© AL HUDA INTERNATIONAL WELFARE FOUNDATION

عَلِمْتَهٗ ؕ	تَعْلَمُ	مَا	فِیْ نَفْسِیْ	وَلَآ	اَعْلَمُ	مَا	فِیْ نَفْسِكَ ؕ
तू जान लेता उसे	तू जानता है	जो	मेरे नफ़्स में है	और नहीं	मैं जानता	जो	तेरे नफ़्स में है

اِنَّكَ	اَنْتَ	عَلَّامُ	الْغُیُوْبِ ﴿116﴾	مَا	قُلْتُ	لَهُمْ	اِلَّا	مَآ
बेशक तू	तू ही है	ख़ूब जानने वाला	ग़ैबों का	नहीं	कहा था मैंने	उन्हें	मगर	जो

اَمَرْتَنِیْ	بِهٖۤ	اَنِ	اعْبُدُوا	اللّٰهَ	رَبِّیْ	وَرَبَّكُمْ ۚ	وَكُنْتُ
हुक्म दिया तूने मुझे	जिसका	कि	इबादत करो	अल्लाह की	जो रब है मेरा	और रब है तुम्हारा	और था मैं

عَلَیْهِمْ	شَهِیْدًا	مَّا دُمْتُ	فِیْهِمْ ۚ	فَلَمَّا	تَوَفَّیْتَنِیْ	كُنْتَ
उन पर	गवाह	जब तक मैं रहा	उनमें	फिर जब	फौत कर दिया तूने मुझे	था तू

اَنْتَ	الرَّقِیْبَ	عَلَیْهِمْ ؕ	وَاَنْتَ	عَلٰی	كُلِّ	شَیْءٍ	شَهِیْدٌ ﴿117﴾	اِنْ
तू ही	निगरान	उन पर	और तू	ऊपर	हर	चीज़ के	ख़ूब गवाह है	अगर

تُعَذِّبْهُمْ	فَاِنَّهُمْ	عِبَادُكَ ۚ	وَاِنْ	تَغْفِرْ	لَهُمْ	فَاِنَّكَ	اَنْتَ
तू अज़ाब दे उन्हें	तो बेशक वो	बंदे हैं तेरे	और अगर	तू बख़्श दे	उन्हें	तो बेशक तू	तू ही है

الْعَزِیْزُ	الْحَكِیْمُ ﴿118﴾	قَالَ	اللّٰهُ	هٰذَا	یَوْمُ	یَنْفَعُ	الصّٰدِقِیْنَ
बहुत ज़बरदस्त	बहुत हिक्मत वाला	फ़रमाएगा	अल्लाह	ये	दिन है	नफ़ा देगा	सच्चों को

صِدْقُهُمْ ؕ	لَهُمْ	جَنّٰتٌ	تَجْرِیْ	مِنْ تَحْتِهَا	الْاَنْهٰرُ	خٰلِدِیْنَ
सच उनका	उन के लिए	बाग़ात हैं	बहती हैं	उनके नीचे से	नहरें	हमेशा रहने वाले हैं

فِیْهَآ	اَبَدًا ؕ	رَضِیَ	اللّٰهُ	عَنْهُمْ	وَرَضُوْا	عَنْهُ ؕ	ذٰلِكَ
उनमें	अबद तक/हमेशा	राज़ी हो गया	अल्लाह	उनसे	और वो राज़ी हो गए	उससे	यही है

الْفَوْزُ	الْعَظِیْمُ ﴿119﴾	لِلّٰهِ	مُلْكُ	السَّمٰوٰتِ	وَالْاَرْضِ	وَمَا
कामयाबी	बहुत बड़ी	अल्लाह ही के लिए है	बादशाहत	आसमानों की	और ज़मीन की	और जो कुछ

© AL-HUDA INTERNATIONAL WELFARE FOUNDATION

16 ع 5 6

فِيْهِنَّ ؕ	وَهُوَ	عَلٰى	كُلِّ	شَيْءٍ	قَدِيْرٌ ⑫⓪ ع
उनमें है	और वो	ऊपर	हर	चीज़ के	बहुत क़ुदरत रखने वाला है

اٰيَاتُهَا: 165 — 6 سُوْرَةُ الْاَنْعَامِ مَكِّيَّةٌ 55 — رُكُوْعَاتُهَا: 20

بِسْمِ اللّٰهِ الرَّحْمٰنِ الرَّحِيْمِ

اَلْحَمْدُ	لِلّٰهِ	الَّذِيْ	خَلَقَ	السَّمٰوٰتِ	وَالْاَرْضَ	وَجَعَلَ	الظُّلُمٰتِ
सब तारीफ़	अल्लाह के लिए है	वो जिसने	पैदा किया	आसमानों	और ज़मीन को	और उसने बनाया	अंधेरों

وَالنُّوْرَ ؕ	ثُمَّ	الَّذِيْنَ	كَفَرُوْا	بِرَبِّهِمْ	يَعْدِلُوْنَ ①	هُوَ	الَّذِيْ
और रोशनी को	फिर	वो जिन्होंने	कुफ़्र किया	साथ अपने रब के	वो बराबर क़रार देते हैं	वो ही है	जिसने

خَلَقَكُمْ	مِّنْ طِيْنٍ	ثُمَّ	قَضٰى	اَجَلًا ؕ	وَاَجَلٌ	مُّسَمًّى	عِنْدَهٗ
पैदा किया तुम्हें	मिट्टी से	फिर	उसने मुक़र्रर की	एक मुद्दत	और एक (और) मुद्दत	मुक़र्रर है	उसके यहां

ثُمَّ	اَنْتُمْ	تَمْتَرُوْنَ ②	وَهُوَ	اللّٰهُ	فِي السَّمٰوٰتِ	وَفِي الْاَرْضِ ؕ
फिर (भी)	तुम	तुम शक करते हो	और वो है	अल्लाह	आसमानों में	और ज़मीन में

يَعْلَمُ	سِرَّكُمْ	وَجَهْرَكُمْ	وَيَعْلَمُ	مَا	تَكْسِبُوْنَ ③	وَمَا	تَاْتِيْهِمْ
वो जानता है	पोशीदा तुम्हारा	और ज़ाहिर तुम्हारा	और वो जानता है	जो	तुम कमाते हो	और नहीं	आती उनके पास

مِّنْ اٰيَةٍ	مِّنْ اٰيٰتِ	رَبِّهِمْ	اِلَّا	كَانُوْا	عَنْهَا	مُعْرِضِيْنَ ④	فَقَدْ
कोई निशानी	निशानियों में से	उनके रब की	मगर	हैं वो	उससे	ऐराज़ करने वाले	पस तहक़ीक़

كَذَّبُوْا	بِالْحَقِّ	لَمَّا	جَآءَهُمْ ؕ	فَسَوْفَ	يَاْتِيْهِمْ	اَنْۢبٰٓؤُا	مَا
उन्होंने झुठलाया	हक़ को	जब	वो आया उनके पास	पस अनक़रीब	आएंगी उनके पास	ख़बरें	उसकी जो

كَانُوْا	بِهٖ	يَسْتَهْزِءُوْنَ ⑤	اَلَمْ	يَرَوْا	كَمْ	اَهْلَكْنَا
थे वो	जिसका	वो मज़ाक़ उड़ाते	क्या नहीं	उन्होंने देखा	कितनी ही	हलाक कर दीं हमने

© AL-HUDA INTERNATIONAL WELFARE FOUNDATION

نُمَكِّنْ	لَمْ	مَا	فِي الْاَرْضِ	مَّكَّنّٰهُمْ	مِّنْ قَرْنٍ	مِنْ قَبْلِهِمْ
हमने क़ुदरत दी	नहीं	वो जो	ज़मीन में	क़ुदरत दी थी हमने उन्हें	क़ौमें	उनसे पहले

تَجْرِيْ	الْاَنْهٰرَ	وَّجَعَلْنَا	مِّدْرَارًا ص	عَلَيْهِمْ	السَّمَآءَ	وَ اَرْسَلْنَا	لَّكُمْ
जो बहती थीं	नहरें	और बनाईं हमने	बहुत बरसने वाला	उन पर	आसमान को	और भेजा हमने	तुम्हें

مِنْۢ بَعْدِهِمْ	وَ اَنْشَاْنَا	بِذُنُوْبِهِمْ	فَاَهْلَكْنٰهُمْ	مِنْ تَحْتِهِمْ
बाद उनके	और उठाईं हमने	बवजह उनके गुनाहों के	पस हलाक कर दिया हमने उन्हें	उनके नीचे से

فِيْ قِرْطَاسٍ	كِتٰبًا	عَلَيْكَ	نَزَّلْنَا	وَلَوْ	اٰخَرِيْنَ (6)	قَرْنًا
काग़ज में	एक किताब	आप पर	नाज़िल करते हम	और अगर	दूसरी	क़ौमें

اِلَّا	هٰذَآ	اِنْ	كَفَرُوْٓا	الَّذِيْنَ	لَقَالَ	بِاَيْدِيْهِمْ	فَلَمَسُوْهُ
मगर	ये	नहीं है	कुफ़्र किया	वो जिन्होंने	अलबत्ता कहते	अपने हाथों से	फिर वो छू लेते उसे

وَلَوْ	مَلَكٌ ط	عَلَيْهِ	اُنْزِلَ	لَوْلَآ	وَقَالُوْا	مُّبِيْنٌ (7)	سِحْرٌ
और अगर	कोई फ़रिश्ता	उस पर	उतारा गया	क्यों नहीं	और उन्होंने कहा	खुल्लम-खुल्ला/वाज़ेह	जादू

جَعَلْنٰهُ	وَلَوْ	لَا يُنْظَرُوْنَ (8)	ثُمَّ	الْاَمْرُ	لَّقُضِيَ	مَلَكًا	اَنْزَلْنَا
बनाते हम उसे	और अगर	ना वो मोहलत दिए जाते	फिर	मामले का	अलबत्ता फ़ैसला कर दिया जाता	कोई फ़रिश्ता	उतारते हम

يَلْبِسُوْنَ (9)	مَّا	عَلَيْهِمْ	وَّلَلَبَسْنَا	رَجُلًا	لَّجَعَلْنٰهُ	مَلَكًا
वो शुबह करते हैं	जो	उन पर	और अलबत्ता मुशतबा कर देते हम	आदमी ही	अलबत्ता बनाते हम उसे	एक फ़रिश्ता

سَخِرُوْا	بِالَّذِيْنَ	فَحَاقَ	مِّنْ قَبْلِكَ	بِرُسُلٍ	اسْتُهْزِئَ	وَلَقَدِ
तमसख़ुर किया	उनको जिन्होंने	तो घेर लिया	आपसे पहले	कई रसूलों का	मज़ाक़ उड़ाया गया	और अलबत्ता तहक़ीक़

فِي الْاَرْضِ	سِيْرُوْا	قُلْ	يَسْتَهْزِءُوْنَ (10) ع	بِهٖ	كَانُوْا	مَّا	مِنْهُمْ	ع 1 10 7
ज़मीन में	चलो फिरो	कह दीजिए	वो मज़ाक़ उड़ाते	जिसका	थे वो	उसने जो	उनमें से	

© AL-HUDA INTERNATIONAL WELFARE FOUNDATION

لِّمَنْ	قُلْ	الْمُكَذِّبِيْنَ ⑪	عَاقِبَةُ	كَانَ	كَيْفَ	انْظُرُوْا	ثُمَّ
किसके लिए है	कह दीजिए	झुठलाने वालों का	अंजाम	हुआ	किस तरह	देखो	फिर

عَلٰى نَفْسِهِ	كَتَبَ	لِلّٰهِ ؕ	قُلْ	وَالْاَرْضِ ؕ	فِى السَّمٰوٰتِ	مَّا
अपने नफ़्स पर	उसने लिख दी	अल्लाह ही के लिए है	कह दीजिए	और ज़मीन में है	आसमानों में	जो कुछ

فِيْهِ ؕ	لَا رَيْبَ	الْقِيٰمَةِ	اِلٰى يَوْمِ	لَيَجْمَعَنَّكُمْ	الرَّحْمَةَ ؕ
उसमें	नहीं कोई शक	क़यामत के	तरफ़ दिन	अलबत्ता वो ज़रूर जमा करेगा तुम्हें	रहमत

مَا	وَلَهٗ	لَا يُؤْمِنُوْنَ ⑫	فَهُمْ	اَنْفُسَهُمْ	خَسِرُوْٓا	اَلَّذِيْنَ
जो	और उसी के लिए है	नहीं वो ईमान लाएंगे	पस वो	अपने नफ़्सों को	नुक़्सान में डाला	वो जिन्होंने

قُلْ	الْعَلِيْمُ ⑬	السَّمِيْعُ	وَهُوَ	وَالنَّهَارِ ؕ	فِى الَّيْلِ	سَكَنَ
कह दीजिए	ख़ूब जानने वाला है	ख़ूब सुनने वाला है	और वो	और दिन में	रात में	साकिन है (ठहरा हुआ)

وَهُوَ	وَالْاَرْضِ	السَّمٰوٰتِ	فَاطِرِ	وَلِيًّا	اَتَّخِذُ	اللّٰهِ	اَغَيْرَ
और वो	और ज़मीन का	आसमानों	पैदा करने वाला है	कोई दोस्त	मैं बना लूं	अल्लाह के	क्या सिवाए

اَكُوْنَ	اَنْ	اُمِرْتُ	اِنِّىْٓ	قُلْ	يُطْعَمُ ؕ	وَلَا	يُطْعِمُ
मैं हो जाऊं	कि	हुक्म दिया गया हूं मैं	बेशक मैं	कह दीजिए	वो खिलाया जाता	और नहीं	वो खिलाता है

قُلْ	مِنَ الْمُشْرِكِيْنَ ⑭	تَكُوْنَنَّ	وَلَا	اَسْلَمَ	مَنْ	اَوَّلَ
कह दीजिए	मुशरिकीन में से	हरगिज़ आप हों	और ना	इस्लाम लाया	जो	सबसे पहला

يَوْمٍ عَظِيْمٍ ⑮	عَذَابَ	رَبِّىْ	عَصَيْتُ	اِنْ	اَخَافُ	اِنِّىْٓ
बड़े दिन के	अज़ाब से	अपने रब की	नाफ़रमानी की मैं ने	अगर	मैं डरता हूं	बेशक मैं

الْفَوْزُ	وَذٰلِكَ	رَحِمَهٗ ؕ	فَقَدْ	يَوْمَئِذٍ	عَنْهُ	يُّصْرَفْ	مَنْ
कामयाबी	और यही है	उसने रहम किया उस पर	तो तहक़ीक़	उस दिन	उससे (अज़ाब)	फेर दिया गया	जो कोई

© AL-HUDA INTERNATIONAL WELFARE FOUNDATION

لَهٗٓ	كَاشِفَ	فَلَا	بِضُرٍّ	اللّٰهُ	يَّمْسَسْكَ	وَ اِنْ	الْمُبِيْنُ (16)
उसे	कोई दूर करने वाला	तो नहीं	कोई नुक़सान	अल्लाह	पहुंचाए आपको	और अगर	खुली / वाज़ेह

شَيْءٍ	كُلِّ	عَلٰى	فَهُوَ	بِخَيْرٍ	يَّمْسَسْكَ	وَ اِنْ	هُوَ ط	اِلَّا
चीज़ के	हर	ऊपर	तो वो	कोई भलाई	वो पहुंचाए आपको	और अगर	वो ही	मगर

الْحَكِيْمُ	وَهُوَ	عِبَادِهٖ ط	فَوْقَ	الْقَاهِرُ	وَهُوَ	قَدِيْرٌ (17)
बहुत हिक्मत वाला है	और वो	अपने बंदों के	ऊपर	ग़लबा रखने वाला है	और वो	खूब क़ुदरत रखने वाला है

اللّٰهُ قف	قُلِ	شَهَادَةً ط	اَكْبَرُ	شَيْءٍ	اَيُّ	قُلْ	الْخَبِيْرُ (18)
अल्लाह	कह दीजिए	गवाही में	सब से बड़ी	चीज़ है	कौन सी	कह दीजिए	ख़ूब बाख़बर है

لِاُنْذِرَكُمْ	الْقُرْاٰنُ	هٰذَا	اِلَيَّ	وَ اُوْحِيَ	وَ بَيْنَكُمْ قف	بَيْنِيْ	شَهِيْدٌۢ
ताकि मैं डराऊं तुम्हें	कुरआन	ये	मेरी तरफ़	और वही किया गया	और दर्मियान तुम्हारे	दर्मियान मेरे	गवाह है

اللّٰهِ	مَعَ	اَنَّ	لَتَشْهَدُوْنَ	اَئِنَّكُمْ	بَلَغَ ط	وَ مَنْۢ	بِهٖ
अल्लाह के	साथ	बेशक	अलबत्ता तुम गवाही देते हो	क्या बेशक तुम	ये पहुंचे	और जिसे	साथ इसके

اِلٰهٌ	هُوَ	اِنَّمَا	قُلْ	لَّآ اَشْهَدُ ج	قُلْ	اُخْرٰى ط	اٰلِهَةً
इलाह है	वो	बेशक	कह दीजिए	नहीं मैं गवाही देता	कह दीजिए	दूसरे	इलाह हैं

اٰتَيْنٰهُمُ	اَلَّذِيْنَ	تُشْرِكُوْنَ (19)	مِّمَّا	بَرِيْٓءٌ	وَّ اِنَّنِيْ	وَّاحِدٌ	وقف لازم بالاختلاف
दी हमने उन्हें	वो लोग जो	तुम शिर्क करते हो	उस से जो	बरी-उज़-ज़िम्मा हूं	और बेशक मैं	एक ही	

خَسِرُوْٓا	اَلَّذِيْنَ	اَبْنَآءَهُمْ م	يَعْرِفُوْنَ	كَمَا	يَعْرِفُوْنَهٗ	الْكِتٰبَ	وقف لازم
ख़सारे में डाला	वो जिन्होंने	अपने बेटों को	वो पहचानते हैं	जैसा कि	वो पहचानते हैं उसे	किताब	

افْتَرٰى	مِمَّنِ	اَظْلَمُ	وَمَنْ	لَا يُؤْمِنُوْنَ (20) ع	فَهُمْ	اَنْفُسَهُمْ	ع 2 10 8
गढ़ ले	उससे जो	बड़ा ज़ालिम है	और कौन	नहीं वो ईमान लाते	तो वो	अपने नफ़्सों को	

© AL-HUDA INTERNATIONAL WELFARE FOUNDATION

لَا يُفْلِحُ	اِنَّهٗ	بِاٰيٰتِهٖ ؕ	كَذَّبَ	اَوْ	كَذِبًا	عَلَى اللّٰهِ
नहीं वो फ़लाह पाएंगे	बेशक वो	उसकी आयात को	झुठलाए	या	झूठ	अल्लाह पर

لِلَّذِيْنَ	نَقُوْلُ	ثُمَّ	جَمِيْعًا	نَحْشُرُهُمْ	وَيَوْمَ	الظّٰلِمُوْنَ ﴿21﴾
उनसे जिन्होंने	हम कहेंगे	फिर	सब के सब को	हम इकट्ठा करेंगे उनको	और जिस दिन	जो ज़ालिम हैं

ثُمَّ	تَزْعُمُوْنَ ﴿22﴾	كُنْتُمْ	الَّذِيْنَ	شُرَكَآؤُكُمُ	اَيْنَ	اَشْرَكُوْٓا
फिर	तुम दावा करते	थे तुम	वो जो	शरीक तुम्हारे	कहां हैं	शिर्क किया

مَا	رَبِّنَا	اللّٰهِ	وَ	قَالُوْا	اَنْ	اِلَّآ	فِتْنَتُهُمْ	تَكُنْ	لَمْ
ना	जो रब है हमारा	अल्लाह की	क़सम है	वो कहेंगे	ये कि	मगर	उज़्र उनका	होगा	नहीं

وَضَلَّ	عَلٰٓى اَنْفُسِهِمْ	كَذَبُوْا	كَيْفَ	اُنْظُرْ	مُشْرِكِيْنَ ﴿23﴾	كُنَّا
और गुम हो गए	अपने नफ़्सों पर	उन्होंने झूठ बोला	किस तरह	देखिए	शिर्क करने वाले	थे हम

اِلَيْكَ ۚ	يَّسْتَمِعُ	مَّنْ	وَمِنْهُمْ	يَفْتَرُوْنَ ﴿24﴾	كَانُوْا	مَّا	عَنْهُمْ
तरफ़ आपके	कान लगाता है	जो	और उनमें से कोई है	वो गढ़ते	थे वो	जो	उनसे

وَقْرًا ؕ	وَفِيْٓ اٰذَانِهِمْ	يَّفْقَهُوْهُ	اَنْ	اَكِنَّةً	عَلٰى قُلُوْبِهِمْ	وَجَعَلْنَا
बोझ है	और उनके कानों में	(ना) वो समझ सकें उसे	कि	परदे	उनके दिलों पर	और डाल दिए हमने

جَآءُوْكَ	اِذَا	حَتّٰٓى	بِهَا ؕ	لَّا يُؤْمِنُوْا	اٰيَةٍ	كُلَّ	يَّرَوْا	وَاِنْ
वो आते हैं आपके पास	जब	यहां तक कि	उस पर	ना वो ईमान लाएंगे	निशानी	हर	वो देख लें	और अगर

اَسَاطِيْرُ	اِلَّآ	هٰذَآ	اِنْ	كَفَرُوْٓا	الَّذِيْنَ	يَقُوْلُ	يُجَادِلُوْنَكَ
कहानियां	मगर	ये	नहीं	कुफ़्र किया	वो जिन्होंने	कहते हैं	वो झगड़ा करते हैं आपसे

يُهْلِكُوْنَ	وَاِنْ	عَنْهُ	وَيَنْــَٔوْنَ	عَنْهُ	يَنْهَوْنَ	وَهُمْ	الْاَوَّلِيْنَ ﴿25﴾
वो हलाक करते	और नहीं	उससे	और वो दूर रहते हैं	उससे	वो रोकते हैं	और वो	पहलों की

© AL-HUDA INTERNATIONAL WELFARE FOUNDATION

اِلَّآ	اَنْفُسَهُمْ	وَمَا	يَشْعُرُوْنَ (26)	وَلَوْ	تَرٰٓى	اِذْ	وُقِفُوْا
मगर	अपने नफ़्सों को	और नहीं	वो शऊर रखते	और काश	आप देखें	जब	वो खड़े किए जाऐंगे

عَلَى النَّارِ	فَقَالُوْا	يٰلَيْتَنَا	نُرَدُّ	وَلَا	نُكَذِّبَ	بِاٰيٰتِ	رَبِّنَا
ऊपर आग के	तो वो कहेंगे	ऐ काश हम	हम लौटाए जाऐं	और ना	हम झुठलाऐं	आयात को	अपने रब की

وَنَكُوْنَ	مِنَ الْمُؤْمِنِيْنَ (27)	بَلْ	بَدَا	لَهُمْ	مَّا	كَانُوْا	يُخْفُوْنَ
और हम हों	मोमिनों में से	बल्कि	ज़ाहिर हो गया	उनके लिए	जो	थे वो	वो छुपाते

مِنْ قَبْلُ ؕ	وَلَوْ	رُدُّوْا	لَعَادُوْا	لِمَا	نُهُوْا	عَنْهُ	وَاِنَّهُمْ
इससे क़ब्ल	और अगर	वो लौटाए जाऐं	अलबत्ता फिर करेंगे	उसी को जो	वो रोके गए थे	जिससे	और बेशक वो

لَكٰذِبُوْنَ (28)	وَقَالُوْٓا	اِنْ	هِيَ	اِلَّا	حَيَاتُنَا	الدُّنْيَا	وَمَا
अलबत्ता झूठे हैं	और उन्होंने कहा	नहीं	ये	मगर	ज़िंदगी हमारी	दुनिया की	और नहीं

نَحْنُ	بِمَبْعُوْثِيْنَ (29)	وَلَوْ	تَرٰٓى	اِذْ	وُقِفُوْا	عَلٰى رَبِّهِمْ ؕ
हम	उठाए जाने वाले	और काश	आप देखें	जब	वो खड़े किए जाऐंगे	अपने रब के सामने

قَالَ	اَلَيْسَ	هٰذَا	بِالْحَقِّ ؕ	قَالُوْا	بَلٰى	وَ	رَبِّنَا ؕ	قَالَ
वो फ़रमाएगा	क्या नहीं है	ये	हक़	वो कहेंगे	क्यों नहीं	क़सम है	हमारे रब की	वो फ़रमाएगा

فَذُوْقُوا	الْعَذَابَ	بِمَا	كُنْتُمْ	تَكْفُرُوْنَ (30) ع	قَدْ	خَسِرَ
पस चखो	अज़ाब	बवजह उसके जो	थे तुम	तुम कुफ़्र करते	तहक़ीक़	ख़सारे में रहे

ع 3 10 9

الَّذِيْنَ	كَذَّبُوْا	بِلِقَآءِ	اللّٰهِ ؕ	حَتّٰٓى	اِذَا	جَآءَتْهُمُ	السَّاعَةُ
वो जिन्होंने	झुठलाया	मुलाक़ात को	अल्लाह की	यहां तक कि	जब	आ जाएगी उनके पास	घड़ी (क़यामत की)

بَغْتَةً	قَالُوْا	يٰحَسْرَتَنَا	عَلٰى	مَا	فَرَّطْنَا	فِيْهَا ۙ	وَهُمْ
अचानक	वो कहेंगे	हाय अफ़सोस हमारा	उस पर	जो	कमी-कोताही की हमने	उस के बारे में	और वो

© AL-HUDA INTERNATIONAL WELFARE FOUNDATION

يَزِرُوْنَ (31)	مَا	سَاۗءَ	اَلَا	عَلٰى ظُهُوْرِهِمْ ۭ	اَوْزَارَهُمْ	يَحْمِلُوْنَ
बोझ वो उठाऐंगे	जो	कितना बुरा है	ख़बरदार	अपनी पुश्तों पर	बोझ अपने	वो उठाऐंगे

اَلْاٰخِرَةُ	وَلَلدَّارُ	وَّلَهْوٌ ۭ	لَعِبٌ	اِلَّا	الدُّنْيَآ	الْحَيٰوةُ	وَمَا
आख़िरत का	और अलबत्ता घर	और तमाशा	खेल	मगर	दुनिया की	ज़िंदगी	और नहीं

اِنَّهٗ	نَعْلَمُ	قَدْ	تَعْقِلُوْنَ (32)	اَفَلَا	يَتَّقُوْنَ ۭ	لِّلَّذِيْنَ	خَيْرٌ
कि बेशक वो	हम जानते हैं	तहक़ीक़	तुम अक़्ल से काम लेते	क्या भला नहीं	तक़्वा करते हैं	उनके लिए जो	बेहतर है

وَلٰكِنَّ	لَا يُكَذِّبُوْنَكَ	فَاِنَّهُمْ	يَقُوْلُوْنَ	الَّذِيْ	لَيَحْزُنُكَ
और लेकिन	नहीं वो झुठलाते आपको	पस बेशक वो	वो कहते हैं	जो	अलबत्ता ग़मगीन करता है आपको

رُسُلٌ	كُذِّبَتْ	وَلَقَدْ	يَجْحَدُوْنَ (33)	بِاٰيٰتِ اللّٰهِ	الظّٰلِمِيْنَ
कई रसूल	झुठलाए गए	और अलबत्ता तहक़ीक़	वो इंकार करते हैं	अल्लाह की आयात का ही	ज़ालिम

اَتٰىهُمْ	حَتّٰٓي	وَاُوْذُوْا	كُذِّبُوْا	عَلٰي مَا	فَصَبَرُوْا	مِّنْ قَبْلِكَ
आ गई उन के पास	यहां तक कि	और वो सताए गए	वो झुठलाए गए	उस पर जो	पस उन्होंने सब्र किया	आपसे पहले

مِنْ نَّبَاِي	جَاۗءَكَ	وَلَقَدْ	اللّٰهِ ۚ	لِكَلِمٰتِ	مُبَدِّلَ	وَلَا	نَصْرُنَا ۚ
ख़बरें	आ गई आप के पास	और अलबत्ता तहक़ीक़	अल्लाह के	कलिमात को	कोई बदलने वाला	और नहीं	मदद हमारी

فَاِنِ	اِعْرَاضُهُمْ	عَلَيْكَ	كَبُرَ	كَانَ	وَاِنْ	الْمُرْسَلِيْنَ (34)
फिर अगर	ऐराज़ करना उनका	आप पर	भारी	है	और अगर	रसूलों की

فِي السَّمَاۗءِ	سُلَّمًا	اَوْ	فِي الْاَرْضِ	نَفَقًا	تَبْتَغِيَ	اَنْ	اسْتَطَعْتَ
आसमान में	एक सीढ़ी	या	ज़मीन में	एक सुरंग	आप तलाश करें	कि	इस्तिताअत रखते हैं आप

عَلَي الْهُدٰى	لَجَمَعَهُمْ	اللّٰهُ	شَاۗءَ	وَلَوْ	بِاٰيَةٍ ۭ	فَتَاْتِيَهُمْ
हिदायत पर	अलबत्ता वो जमा कर देता उन्हें	अल्लाह	चाहता	और अगर	कोई निशानी	तो आप ले आएें उनके पास

© AL HUDA INTERNATIONAL WELFARE FOUNDATION

يَسْمَعُوْنَ ؕ	الَّذِيْنَ	يَسْتَجِيْبُ	اِنَّمَا	مِنَ الْجٰهِلِيْنَ (35)	تَكُوْنَنَّ	فَلَا
सुनते हैं	वो ही जो	क़ुबूल करते हैं	बेशक	नादानों में से	हरगिज़ आप हों	पस ना

لَوْلَا	وَقَالُوْا	يُرْجَعُوْنَ (36) ۘ	اِلَيْهِ	ثُمَّ	اللّٰهُ	يَبْعَثُهُمُ	وَالْمَوْتٰى
क्यों ना	और वो कहते हैं	वो लौटाए जाएंगे	उसी की तरफ़	फिर	अल्लाह	उठाएगा उन्हें	और मुर्दे

اَنْ	عَلٰٓى	قَادِرٌ	اللّٰهَ	اِنَّ	قُلْ	مِّنْ رَّبِّهٖ ؕ	اٰيَةٌ	عَلَيْهِ	نُزِّلَ
कि	उस पर	क़ादिर है	अल्लाह	बेशक	कह दीजिए	उसके रब की तरफ़ से	कोई निशानी	उस पर	नाज़िल की गई

مِنْ دَآبَّةٍ	وَمَا	لَا يَعْلَمُوْنَ (37)	اَكْثَرَهُمْ	وَّلٰكِنَّ	اٰيَةً	يُّنَزِّلَ
कोई जानदार	और नहीं	नहीं वो इल्म रखते	अक्सर उनके	और लेकिन	कोई निशानी	वो नाज़िल करे

اَمْثَالُكُمْ ؕ	اُمَمٌ	اِلَّآ	بِجَنَاحَيْهِ	يَّطِيْرُ	طٰٓئِرٍ	وَلَا	فِى الْاَرْضِ
तुम्हारी ही तरह	गिरोह हैं	मगर	साथ अपने दो परों के	जो उड़ता हो	कोई परिंदा	और ना	ज़मीन में

يُحْشَرُوْنَ (38)	اِلٰى رَبِّهِمْ	ثُمَّ	مِنْ شَيْءٍ	فِى الْكِتٰبِ	فَرَّطْنَا	مَا
वो इकट्ठे किए जाएंगे	तरफ़ अपने रब के	फिर	किसी चीज़ की	किताब में	कमी की हमने	नहीं

يَّشَاِ	مَنْ	فِى الظُّلُمٰتِ ؕ	وَّبُكْمٌ	صُمٌّ	بِاٰيٰتِنَا	كَذَّبُوْا	وَالَّذِيْنَ
चाहता है	जिसको	अंधेरों में हैं	और गूंगे हैं	बहरे	हमारी आयात को	झुठलाया	और वो जिन्होंने

قُلْ	مُّسْتَقِيْمٍ (39)	عَلٰى صِرَاطٍ	يَجْعَلْهُ	يَّشَاْ	وَمَنْ	يُضْلِلْهُ ؕ	اللّٰهُ
कह दीजिए	सीधे के	ऊपर रास्ते	वो कर देता है उसे	वो चाहता है	और जिसको	भटका देता है उसे	अल्लाह

السَّاعَةُ	اَتَتْكُمُ	اَوْ	اللّٰهِ	عَذَابُ	اَتٰىكُمْ	اِنْ	اَرَءَيْتَكُمْ
घड़ी (क़यामत की)	आ जाए तुम्हारे पास	या	अल्लाह का	अज़ाब	आ जाए तुम्हारे पास	अगर	क्या ग़ौर किया तुमने

اِيَّاهُ	بَلْ	صٰدِقِيْنَ (40)	كُنْتُمْ	اِنْ	تَدْعُوْنَ ۚ	اللّٰهِ	اَغَيْرَ
सिर्फ़ उसी को	बल्कि	सच्चे	हो तुम	अगर	तुम पुकारोगे	अल्लाह को	क्या ग़ैर

النصف
وقف غفران

وقف منزل
عند البعض على يسمعون

© AL-HUDA INTERNATIONAL WELFARE FOUNDATION

تَدْعُوْنَ	فَيَكْشِفُ	مَا	تَدْعُوْنَ	اِلَيْهِ	اِنْ	شَآءَ	وَ تَنْسَوْنَ
तुम पुकारोगे	फिर वो खोल देगा	उसे जो	तुम पुकारोगे	तरफ़ उस के	अगर	वो चाहे	और तुम भूल जाओगे

ع 4 11 10

مَا	تُشْرِكُوْنَ ﴿41﴾ ع	وَ لَقَدْ	اَرْسَلْنَآ	اِلٰٓى اُمَمٍ	مِّنْ قَبْلِكَ	فَاَخَذْنٰهُمْ
जिन्हें	तुम शरीक ठहराते हो	और अलबत्ता तहक़ीक़	भेजा हमने	तरफ़ उम्मतों के	आपसे क़ब्ल	पस पकड़ लिया हमने उन्हें

بِالْبَاْسَآءِ	وَ الضَّرَّآءِ	لَعَلَّهُمْ	يَتَضَرَّعُوْنَ ﴿42﴾	فَلَوْ لَآ	اِذْ	جَآءَهُمْ
साथ तंगी	और तकलीफ़ के	शायद कि वो	वो आजिज़ी करें	फिर क्यों ना	जब	आया उनके पास

بَاْسُنَا	تَضَرَّعُوْا	وَ لٰكِنْ	قَسَتْ	قُلُوْبُهُمْ	وَ زَيَّنَ	لَهُمُ
अज़ाब हमारा	उन्होंने आजिज़ी की	और लेकिन	सख़्त हो गए	दिल उनके	और मुज़य्यन कर दिया	उनके लिए

الشَّيْطٰنُ	مَا	كَانُوْا	يَعْمَلُوْنَ ﴿43﴾	فَلَمَّا	نَسُوْا	مَا	ذُكِّرُوْا
शैतान ने	जो	थे वो	वो अमल करते	फिर जब	वो भूल गए	जो कुछ	वो नसीहत किए गए थे

بِهٖ	فَتَحْنَا	عَلَيْهِمْ	اَبْوَابَ	كُلِّ	شَيْءٍ ط	حَتّٰٓى	اِذَا
जिसकी	खोल दिए हमने	उन पर	दरवाज़े	हर	चीज़ के	यहां तक कि	जब

فَرِحُوْا	بِمَآ	اُوْتُوْٓا	اَخَذْنٰهُمْ	بَغْتَةً	فَاِذَا	هُمْ	مُّبْلِسُوْنَ ﴿44﴾
वो खुश हो गए	उस पर जो	वो दिए गए थे	पकड़ लिया हमने उन्हें	अचानक	तो उस वक़्त	वो	मायूस होने वाले थे

فَقُطِعَ	دَابِرُ	الْقَوْمِ	الَّذِيْنَ	ظَلَمُوْا ط	وَ الْحَمْدُ	لِلّٰهِ	رَبِّ
पस काट दी गई	जड़	उस क़ौम की	जिन्होंने	ज़ुल्म किया	और सब तारीफ़	अल्लाह के लिए है	जो रब है

الْعٰلَمِيْنَ ﴿45﴾	قُلْ	اَرَءَيْتُمْ	اِنْ	اَخَذَ	اللّٰهُ	سَمْعَكُمْ	وَ اَبْصَارَكُمْ
तमाम जहानों का	कह दीजिए	क्या ग़ौर किया तुमने	अगर	ले जाए	अल्लाह	कान तुम्हारे	और आंखें तुम्हारी

وَ خَتَمَ	عَلٰى قُلُوْبِكُمْ	مَّنْ	اِلٰهٌ	غَيْرُ	اللّٰهِ	يَاْتِيْكُمْ	بِهٖ ط
और वो मोहर लगा दे	तुम्हारे दिलों पर	कौन है	इलाह	सिवाए	अल्लाह के	जो लाए तुम्हारे पास	उसे

© AL-HUDA INTERNATIONAL WELFARE FOUNDATION

اُنْظُرْ	كَيْفَ	نُصَرِّفُ	الْاٰيٰتِ	ثُمَّ	هُمْ	يَصْدِفُوْنَ ﴿46﴾	قُلْ
देखो	किस तरह	हम फेर-फेर कर लाते हैं	आयात को	फिर	वो	वो ऐराज़ करते हैं	कह दीजिए

اَرَءَيْتَكُمْ	اِنْ	اَتٰىكُمْ	عَذَابُ	اللّٰهِ	بَغْتَةً	اَوْ	جَهْرَةً	هَلْ
क्या ग़ौर किया तुमने	अगर	आए तुम्हारे पास	अज़ाब	अल्लाह का	अचानक	या	एलानिया	नहीं

يُهْلَكُ	اِلَّا	الْقَوْمُ	الظّٰلِمُوْنَ ﴿47﴾	وَمَا	نُرْسِلُ	الْمُرْسَلِيْنَ
हलाक किए जाएंगे	मगर	वो लोग	जो ज़ालिम हैं	और नहीं	हम भेजते	रसूलों को

اِلَّا	مُبَشِّرِيْنَ	وَمُنْذِرِيْنَ ج	فَمَنْ	اٰمَنَ	وَاَصْلَحَ	فَلَا
मगर	ख़ुशख़बरी देने वाले	और डराने वाले (बना कर)	पस जो कोई	ईमान लाया	और उसने इस्लाह कर ली	तो ना

خَوْفٌ	عَلَيْهِمْ	وَلَا	هُمْ	يَحْزَنُوْنَ ﴿48﴾	وَالَّذِيْنَ	كَذَّبُوْا	بِاٰيٰتِنَا
कोई ख़ौफ़ होगा	उन पर	और ना	वो	वो ग़मगीन होंगे	और वो जिन्होंने	झुठलाया	हमारी आयात को

يَمَسُّهُمُ	الْعَذَابُ	بِمَا	كَانُوْا	يَفْسُقُوْنَ ﴿49﴾	قُلْ	لَّآ اَقُوْلُ
छुऐगा उन्हें	अज़ाब	बवजह उसके जो	थे वो	वो नाफ़रमानी करते	कह दीजिए	नहीं मैं कहता

لَكُمْ	عِنْدِيْ	خَزَآئِنُ	اللّٰهِ	وَلَآ	اَعْلَمُ	الْغَيْبَ	وَلَآ	اَقُوْلُ
तुमसे	मेरे पास	ख़ज़ाने हैं	अल्लाह के	और नहीं	मैं जानता	ग़ैब को	और नहीं	मैं कहता

لَكُمْ	اِنِّيْ	مَلَكٌ ج	اِنْ	اَتَّبِعُ	اِلَّا	مَا	يُوْحٰٓى	اِلَيَّ ط	قُلْ
तुमसे	बेशक मैं	फ़रिश्ता हूं	नहीं	मैं पैरवी करता	मगर	उसकी जो	वही की जाती है	तरफ़ मेरे	कह दीजिए

هَلْ	يَسْتَوِي	الْاَعْمٰى	وَالْبَصِيْرُ ط	اَفَلَا	تَتَفَكَّرُوْنَ ﴿50﴾ ع	وَاَنْذِرْ
क्या	बराबर हो सकता है	अँधा	और देखने वाला	क्या फिर नहीं	तुम ग़ौरो-फ़िक्र करते	और डराइए

ع 5 9 11

بِهِ	الَّذِيْنَ	يَخَافُوْنَ	اَنْ	يُّحْشَرُوْٓا	اِلٰى رَبِّهِمْ	لَيْسَ	لَهُمْ
साथ उसके	उनको जो	ख़ौफ़ खाते हैं	कि	वो इकट्ठे किए जाएंगे	तरफ़ अपने रब के	नहीं (होगा)	उनके लिए

© AL-HUDA INTERNATIONAL WELFARE FOUNDATION

مِّنْ دُوْنِهٖ	وَلِيٌّ	وَّلَا	شَفِيْعٌ	لَّعَلَّهُمْ	يَتَّقُوْنَ (51)	وَلَا	تَطْرُدِ
उसके सिवा	कोई दोस्त	और ना	कोई सिफ़ारिशी	ताकि वो	वो बच जाएं	और ना	आप दूर कीजिए

الَّذِيْنَ	يَدْعُوْنَ	رَبَّهُمْ	بِالْغَدٰوةِ	وَالْعَشِيِّ	يُرِيْدُوْنَ	وَجْهَهٗ ط
उनको जो	पुकारते हैं	अपने रब को	सुबह	और शाम	वो चाहते हैं	चेहरा उसका

مَا	عَلَيْكَ	مِنْ حِسَابِهِمْ	مِّنْ شَيْءٍ	وَّمَا	مِنْ حِسَابِكَ	عَلَيْهِمْ
नहीं	आप पर	उनके हिसाब में से	कोई चीज़	और नहीं	आपके हिसाब में से	उन पर

مِّنْ شَيْءٍ	فَتَطْرُدَهُمْ	فَتَكُوْنَ	مِنَ الظّٰلِمِيْنَ (52)	وَكَذٰلِكَ
कोई चीज़	फिर (अगर) आप दूर करेंगे उन्हें	तो आप हो जाएंगे	ज़ालिमों में से	और इसी तरह

فَتَنَّا	بَعْضَهُمْ	بِبَعْضٍ	لِّيَقُوْلُوْٓا	اَهٰٓؤُلَآءِ	مَنَّ	اللّٰهُ	عَلَيْهِمْ
आज़माया हमने	उनके बाज़ को	साथ बाज़ के	ताकि वो कहें	क्या ये हैं वो लोग	एहसान किया	अल्लाह ने	जिन पर

مِّنْۢ بَيْنِنَا ط	اَلَيْسَ	اللّٰهُ	بِاَعْلَمَ	بِالشّٰكِرِيْنَ (53)	وَاِذَا	جَآءَكَ
हमारे दर्मियान में से	क्या नहीं है	अल्लाह	ख़ूब जानने वाला	शुक्र करने वालों को	और जब	आएं आपके पास

الَّذِيْنَ	يُؤْمِنُوْنَ	بِاٰيٰتِنَا	فَقُلْ	سَلٰمٌ	عَلَيْكُمْ	كَتَبَ	رَبُّكُمْ
वो जो	ईमान लाते हैं	हमारी आयात पर	पस कह दीजिए	सलाम हो	तुम पर	लिख दी	तुम्हारे रब ने

عَلٰى نَفْسِهِ	الرَّحْمَةَ لا	اَنَّهٗ	مَنْ	عَمِلَ	مِنْكُمْ	سُوْٓءًۢا	بِجَهَالَةٍ
अपने नफ़्स पर	रहमत	कि बेशक वो	जो	अमल करे	तुम में से	बुरे	बवजह जहालत के

ثُمَّ	تَابَ	مِنْۢ بَعْدِهٖ	وَاَصْلَحَ	فَاَنَّهٗ	غَفُوْرٌ	رَّحِيْمٌ (54)
फिर	वो तौबा कर ले	बाद उसके	और वो इस्लाह कर ले	तो बेशक वो	बहुत बख़्शने वाला है	निहायत रहम करने वाला है

وَكَذٰلِكَ	نُفَصِّلُ	الْاٰيٰتِ	وَلِتَسْتَبِيْنَ	سَبِيْلُ	الْمُجْرِمِيْنَ (55) ع
और इसी तरह	हम खोल-खोल कर बयान करते हैं	आयात को	और ताकि वाज़ेह हो जाए	रास्ता	मुजरिमों का

6 ع 5 12

© ALHUDA INTERNATIONAL WELFARE FOUNDATION

قُلْ	اِنِّیْ	نُهِیْتُ	اَنْ	اَعْبُدَ	الَّذِیْنَ	تَدْعُوْنَ	مِنْ دُوْنِ
कह दीजिए	बेशक मैं	रोका गया हूं मैं	कि	मैं इबादत करूं	उनकी जिन्हें	तुम पुकारते हो	सिवाए

اللّٰهِ ؕ	قُلْ	لَّاۤ اَتَّبِعُ	اَهْوَآءَكُمْ ۙ	قَدْ	ضَلَلْتُ	اِذًا	وَّمَاۤ
अल्लाह के	कह दीजिए	नहीं मैं पैरवी करूंगा	तुम्हारी ख़्वाहिशात की	तहक़ीक़	मैं भटक गया	तब	और नहीं (हूंगा)

اَنَا	مِنَ الْمُهْتَدِیْنَ (56)	قُلْ	اِنِّیْ	عَلٰی بَیِّنَةٍ	مِّنْ رَّبِّیْ
मैं	हिदायत पाने वालों में से	कह दीजिए	बेशक मैं	एक वाज़ेह दलील पर हूं	अपने रब की तरफ़ से

وَكَذَّبْتُمْ	بِهٖ ؕ	مَا	عِنْدِیْ	مَا	تَسْتَعْجِلُوْنَ	بِهٖ ؕ	اِنِ
और झुठला दिया तुमने	उसे	नहीं	मेरे पास	वो जो	तुम जल्द तलब कर रहे हो	उसको	नहीं

الْحُكْمُ	اِلَّا	لِلّٰهِ ؕ	یَقُصُّ	الْحَقَّ	وَهُوَ	خَیْرُ	الْفٰصِلِیْنَ (57)
हुक्म	मगर	अल्लाह ही का	वो बयान करता है	हक़ को	और वो	बेहतर है	सब फ़ैसला करने वालों से

قُلْ	لَّوْ	اَنَّ	عِنْدِیْ	مَا	تَسْتَعْجِلُوْنَ	بِهٖ	لَقُضِیَ
कह दीजिए	अगर	बेशक	मेरे पास (होता)	वो जो	तुम जल्द तलब कर रहे हो	उसे	अलबत्ता फ़ैसला कर दिया जाता

الْاَمْرُ	بَیْنِیْ	وَبَیْنَكُمْ ؕ	وَاللّٰهُ	اَعْلَمُ	بِالظّٰلِمِیْنَ (58)	وَعِنْدَهٗ
मामले का	दर्मियान मेरे	और दर्मियान तुम्हारे	और अल्लाह	ख़ूब जानता है	ज़ालिमों को	और उसी के पास हैं

مَفَاتِحُ	الْغَیْبِ	لَا یَعْلَمُهَاۤ	اِلَّا	هُوَ ؕ	وَیَعْلَمُ	مَا	فِی الْبَرِّ
चाबियां	ग़ैब की	नहीं जानता उन्हें	मगर	वो ही	और वो जानता है	जो	ख़ुश्की में है

وَالْبَحْرِ ؕ	وَمَا	تَسْقُطُ	مِنْ وَّرَقَةٍ	اِلَّا	یَعْلَمُهَا	وَلَا	حَبَّةٍ
और समुन्दर में	और नहीं	गिरता	कोई पत्ता	मगर	वो जानता है उसे	और ना	कोई दाना

فِیْ ظُلُمٰتِ	الْاَرْضِ	وَلَا	رَطْبٍ	وَّلَا	یَابِسٍ	اِلَّا	فِیْ كِتٰبٍ
अंधेरों में	ज़मीन के	और ना	कोई तर	और ना	कोई ख़ुश्क	मगर	एक किताब में है

© AL-HUDA INTERNATIONAL WELFARE FOUNDATION

جَرَحْتُمْ	مَا	وَيَعْلَمُ	بِالَّيْلِ	يَتَوَفّٰىكُمْ	الَّذِىْ	وَهُوَ	مُّبِيْنٍ (59)
कमाई करते हो तुम	जो	और वो जानता है	रात को	फ़ौत करता है तुम्हें	जो	और वो ही है	वाज़ेह

ثُمَّ	مُّسَمًّى ج	اَجَلٌ	لِيُقْضٰٓى	فِيْهِ	يَبْعَثُكُمْ	ثُمَّ	بِالنَّهَارِ
फिर	मुक़र्रर	वक़्त	ताकि पूरा किया जाए	उसमें	वो उठाता है तुम्हें	फिर	दिन को

ع 7 / 5 / 13

وَهُوَ	تَعْمَلُوْنَ (60) ع	كُنْتُمْ	بِمَا	يُنَبِّئُكُمْ	ثُمَّ	مَرْجِعُكُمْ	اِلَيْهِ
और वो	तुम अमल करते	थे तुम	जो	वो बताएगा तुम्हें	फिर	लौटना है तुम्हारा	उसी की तरफ़

اِذَا	حَتّٰٓى	حَفَظَةً ط	عَلَيْكُمْ	وَيُرْسِلُ	عِبَادِهٖ	فَوْقَ	الْقَاهِرُ
जब	यहां तक कि	निगहबान	तुम पर	और वो भेजता है	अपने बंदों के	ऊपर	ग़ालिब है

لَا يُفَرِّطُوْنَ (61)	وَهُمْ	رُسُلُنَا	تَوَفَّتْهُ	الْمَوْتُ	اَحَدَكُمُ	جَآءَ
नहीं वो कमी-कोताही करते	और वो	हमारे भेजे हुए	फ़ौत करते हैं उसे	मौत	तुम में से किसी एक को	आती है

الْحُكْمُ قف	لَهُ	اَلَا	الْحَقِّ ط	مَوْلٰىهُمُ	اِلَى اللّٰهِ	رُدُّوْٓا	ثُمَّ
फ़ैसला	उसी के लिए है	ख़बरदार	हक़ीक़ी	जो मौला है उनका	तरफ़ अल्लाह के	वो लौटाए जाते हैं	फिर

مِّنْ ظُلُمٰتِ	يُّنَجِّيْكُمْ	مَنْ	قُلْ	الْحٰسِبِيْنَ (62)	اَسْرَعُ	وَهُوَ
अंधेरों से	निजात देता है तुम्हें	कौन	कह दीजिए	सब हिसाब लेने वालों से	ज़्यादा जल्द है (हिसाब में)	और वो

اَنْجٰىنَا	لَئِنْ	وَّخُفْيَةً ج	تَضَرُّعًا	تَدْعُوْنَهٗ	وَالْبَحْرِ	الْبَرِّ
उसने निजात दी हमें	अलबत्ता अगर	और चुपके-चुपके	गिड़-गिड़ा कर	तुम पुकारते हो उसे	और समुन्दर के	ख़ुश्की

يُنَجِّيْكُمْ	اللّٰهُ	قُلِ	مِنَ الشّٰكِرِيْنَ (63)	لَنَكُوْنَنَّ	مِنْ هٰذِهٖ
वो निजात देता है तुम्हें	अल्लाह	कह दीजिए	शुक्र करने वालों में से	अलबत्ता हम ज़रूर हो जाएंगे	इससे

هُوَ	قُلْ	تُشْرِكُوْنَ (64)	اَنْتُمْ	ثُمَّ	وَمِنْ كُلِّ كَرْبٍ	مِّنْهَا
वो	कह दीजिए	तुम शरीक बनाते हो	तुम	फिर	और हर मुसीबत से	इससे

© AL-HUDA INTERNATIONAL WELFARE FOUNDATION

اَوْ	مِّنْ فَوْقِكُمْ	عَذَابًا	عَلَيْكُمْ	يَّبْعَثَ	اَنْ	عَلٰٓى	الْقَادِرُ
या	तुम्हारे ऊपर से	अज़ाब	तुम पर	वो भेजे	कि	इस पर	क़ादिर है

بَعْضَكُمْ	وَّيُذِيْقَ	شِيَعًا	يَلْبِسَكُمْ	اَوْ	اَرْجُلِكُمْ	مِنْ تَحْتِ
तुम्हारे बाज़ को	और वो चखा दे	गिरोहों में	वो लड़ा दे तुम्हें	या	तुम्हारे पांव के	नीचे से

لَعَلَّهُمْ	الْاٰيٰتِ	نُصَرِّفُ	كَيْفَ	اُنْظُرْ	بَعْضٍ ؕ	بَاْسَ
ताकि वो	आयात	हम फेर-फेर कर बयान करते हैं	किस तरह	देखो	बाज़ की	क़ुव्वत

لَّسْتُ	قُلْ	الْحَقُّ ؕ	وَهُوَ	قَوْمُكَ	بِهٖ	وَكَذَّبَ	يَفْقَهُوْنَ ﴿65﴾
नहीं हूं मैं	कह दीजिए	हक़ है	हालांकि वो	आपकी क़ौम ने	उसे	और झुठला दिया	वो समझें

تَعْلَمُوْنَ ﴿67﴾	وَّسَوْفَ	مُّسْتَقَرٌّ ز	نَبَاٍ	لِكُلِّ	بِوَكِيْلٍ ﴿66﴾ ؕ	عَلَيْكُمْ
तुम जान लोगे	और अनक़रीब	एक वक़्त मुक़र्रर है	ख़बर के	वास्ते हर	कोई ज़िम्मेदार	तुम पर

عَنْهُمْ	فَاَعْرِضْ	فِيْٓ اٰيٰتِنَا	يَخُوْضُوْنَ	الَّذِيْنَ	رَاَيْتَ	وَاِذَا
उनसे	तो ऐराज़ कीजिए	हमारी आयात में	जो मशग़ूल होते हैं	उन लोगों को	देखें आप	और जब

الشَّيْطٰنُ	يُنْسِيَنَّكَ	وَاِمَّا	غَيْرِهٖ ؕ	فِيْ حَدِيْثٍ	يَخُوْضُوْا	حَتّٰى
शैतान	भुला दे आपको	और अगर	सिवाए उसके	किसी बात में	वो मशग़ूल हो जाएं	यहां तक कि

وَمَا	الظّٰلِمِيْنَ ﴿68﴾	مَعَ الْقَوْمِ	الذِّكْرٰى	بَعْدَ	تَقْعُدْ	فَلَا
और नहीं	जो ज़ालिम हैं	साथ उन लोगों के	याद आने के	बाद	आप बैठिए	तो ना

ذِكْرٰى	وَّلٰكِنْ	مِّنْ شَيْءٍ	مِنْ حِسَابِهِمْ	يَتَّقُوْنَ	عَلَى الَّذِيْنَ
याद दिहानी है	और लेकिन	कोई चीज़	उनके हिसाब में से	जो तक़्वा करते हैं	उनके ज़िम्मे

لَعِبًا	دِيْنَهُمْ	اتَّخَذُوْا	الَّذِيْنَ	وَذَرِ	يَتَّقُوْنَ ﴿69﴾	لَعَلَّهُمْ
खेल	अपने दीन को	बना लिया है	उनको जिन्होंने	और छोड़ दीजिए	वो तक़्वा करें	ताकि वो

© AL-HUDA INTERNATIONAL WELFARE FOUNDATION

اَنْ	بِهٖٓ	وَذَكِّرْ	الدُّنْيَا	الْحَيٰوةُ	وَّغَرَّتْهُمُ	وَّلَهْوًا
कि	साथ उसके	और नसीहत कीजिए	दुनिया की	ज़िंदगी ने	और धोखे में डाल दिया उन्हें	और तमाशा

اللّٰهِ	مِنْ دُوْنِ	لَهَا	لَيْسَ	كَسَبَتْ ۖ	بِمَا	نَفْسٌۢ	تُبْسَلَ
अल्लाह के	सिवाए	उसके लिए	नहीं है	उसने कमाई की	बवजह उसके जो	कोई नफ़्स	(ना) हलाक किया जाए

لَّا يُؤْخَذْ	عَدْلٍ	كُلَّ	تَعْدِلْ	وَاِنْ	شَفِيْعٌ ۚ	وَّلَا	وَلِيٌّ
ना लिया जाएगा	बदला	हर तरह का	वो बदला दे	और अगर	कोई सिफ़ारशी	और ना	कोई दोस्त

شَرَابٌ	لَهُمْ	كَسَبُوْا ۚ	بِمَا	اُبْسِلُوْا	الَّذِيْنَ	اُولٰٓئِكَ	مِنْهَا ؕ
पीना	उनके लिए है	उन्होंने कमाया	बवजह उसके जो	हलाक कर दिए गए	वो जो	यही लोग हैं	उससे

ع 8 10 14

قُلْ	يَكْفُرُوْنَ ﴿70﴾ ع	كَانُوْا	بِمَا	اَلِيْمٌۢ	وَّعَذَابٌ	مِّنْ حَمِيْمٍ
कह दीजिए	वो कुफ़्र करते	थे वो	बवजह उसके जो	दर्दनाक	और अज़ाब	खौलते हुए पानी से

يَضُرُّنَا	وَلَا	لَا يَنْفَعُنَا	مَا	اللّٰهِ	مِنْ دُوْنِ	اَنَدْعُوْا
वो नुक़्सान दे सकता है हमें	और ना ही	नहीं वो नफ़ा दे सकता हमें	उसको जो	अल्लाह के	सिवाए	क्या हम पुकारें

كَالَّذِي	اللّٰهُ	هَدٰىنَا	اِذْ	بَعْدَ	عَلٰٓى اَعْقَابِنَا	وَنُرَدُّ
उस शख़्स की तरह	अल्लाह ने	हिदायत दी हमें	जब	बाद उसके	अपनी एड़ियों पर	और हम फेर दिए जाएंगे

يَّدْعُوْنَهٗٓ	اَصْحٰبٌ	لَهٗٓ	حَيْرَانَ ۖ	فِي الْاَرْضِ	الشَّيٰطِيْنُ	اسْتَهْوَتْهُ
वो पुकारते हैं उसे	कुछ साथी हैं	उसके	हैरान करके	ज़मीन में	शैतानों ने	बहका दिया उसे

الْهُدٰى ؕ	هُوَ	اللّٰهِ	هُدَى	اِنَّ	قُلْ	ائْتِنَا ؕ	الْهُدَى	اِلَى
(असल) हिदायत है	वही	अल्लाह की	हिदायत	बेशक	कह दीजिए	आ जाओ हमारे पास	हिदायत के	तरफ़

الصَّلٰوةَ	اَقِيْمُوا	وَاَنْ	لِرَبِّ الْعٰلَمِيْنَ ﴿71﴾ لا	لِنُسْلِمَ	وَاُمِرْنَا
नमाज़	क़ायम करो	और ये कि	रब्बुल आलमीन के लिए	ताकि हम फ़रमाबरदार हो जाएं	और हुक्म दिए गए हम

© AL-HUDA INTERNATIONAL WELFARE FOUNDATION

الَّذِىْ	وَهُوَ	تُحْشَرُوْنَ (72)	اِلَيْهِ	الَّذِىْٓ	وَهُوَ	وَاتَّقُوْهُ ؕ
जिसने	और वही है	तुम इकट्ठे किए जाओगे	जिसकी तरफ़	वही है	और वो	और डरो उससे

فَيَكُوْنُ ؕ	كُنْ	يَقُوْلُ	وَيَوْمَ	بِالْحَقِّ ؕ	وَالْاَرْضَ	السَّمٰوٰتِ	خَلَقَ
तो वो हो जाएगा	हो जा	वो कहेगा	और जिस दिन	साथ हक़ के	और ज़मीन को	आसमानों को	पैदा किया

الثلٰثة

فِى الصُّوْرِ ؕ	يُنْفَخُ	يَوْمَ	الْمُلْكُ	وَلَهُ	الْحَقُّ ؕ	قَوْلُهُ
सूर में	फूंका जाएगा	जिस दिन	बादशाहत	और उसी के लिए है	सच्ची है	उसकी बात ही

وَاِذْ	الْخَبِيْرُ (73)	الْحَكِيْمُ	وَهُوَ	وَالشَّهَادَةِ ؕ	الْغَيْبِ	عٰلِمُ
और जब	ख़ूब ख़बर रखने वाला है	बहुत हिक्मत वाला है	और वो	और हाज़िर का	ग़ैब का	जानने वाला है

اِنِّىْٓ	اٰلِهَةً ۚ	اَصْنَامًا	اَتَتَّخِذُ	اٰزَرَ	لِاَبِيْهِ	اِبْرٰهِيْمُ	قَالَ
बेशक मैं	इलाह	बुतों को	क्या तू बनाता है	आज़र को	अपने बाप	इब्राहीम ने	कहा

اِبْرٰهِيْمَ	نُرِىْٓ	وَكَذٰلِكَ	مُّبِيْنٍ (74)	فِىْ ضَلٰلٍ	وَقَوْمَكَ	اَرٰىكَ
इब्राहीम को	हम दिखाते थे	और इसी तरह	खुली	गुमराही में	और तेरी क़ौम को	मैं देखता हूं तुझे

فَلَمَّا	مِنَ الْمُوْقِنِيْنَ (75)	وَلِيَكُوْنَ	وَالْاَرْضِ	السَّمٰوٰتِ	مَلَكُوْتَ
फिर जब	यक़ीन करने वालों में से	और ताकि वो हो जाए	और ज़मीन की	आसमानों	बादशाहत

فَلَمَّآ	رَبِّىْ ۚ	هٰذَا	قَالَ	كَوْكَبًا ۚ	رَاٰ	الَّيْلُ	عَلَيْهِ	جَنَّ
फिर जब	मेरा रब है	ये	उसने कहा	एक सितारा	उसने देखा	रात	उस पर	छा गई

بَازِغًا	الْقَمَرَ	رَاٰ	فَلَمَّا	الْاٰفِلِيْنَ (76)	لَآ اُحِبُّ	قَالَ	اَفَلَ
चमकता हुआ	चांद को	उसने देखा	फिर जब	छुपने वालो को	नहीं मैं पसंद करता	कहा	वो छुप गया

يَهْدِنِىْ	لَّمْ	لَئِنْ	قَالَ	اَفَلَ	فَلَمَّآ	رَبِّىْ ۚ	هٰذَا	قَالَ
हिदायत दी मुझे	ना	अलबत्ता अगर	उसने कहा	वो छुप गया	फिर जब	मेरा रब है	ये	उसने कहा

© AL-HUDA INTERNATIONAL WELFARE FOUNDATION

رَاَ	فَلَمَّا	الضَّآلِّيْنَ (77)	مِنَ الْقَوْمِ	لَاَكُوْنَنَّ	رَبِّيْ
उसने देखा	फिर जब	जो गुमराह हैं	उन लोगों मे से	अलबत्ता मैं ज़रूर हो जाऊंगा	मेरे रब ने

اَفَلَتْ	فَلَمَّآ	اَكْبَرُ ج	هٰذَآ	رَبِّيْ	هٰذَا	قَالَ	بَازِغَةً	الشَّمْسَ
वो छुप गया	फिर जब	सबसे बड़ा है	ये	मेरा रब है	ये	उसने कहा	चमकता हुआ	सूरज को

اِنِّيْ	تُشْرِكُوْنَ (78)	مِّمَّا	بَرِيْٓءٌ	اِنِّيْ	يٰقَوْمِ	قَالَ
बेशक मैं	तुम शरीक ठहराते हो	उससे जो	बरी-उज़- ज़िम्मा हूं	बेशक मैं	ऐ मेरी क़ौम	उसने कहा

حَنِيْفًا	وَالْاَرْضَ	السَّمٰوٰتِ	فَطَرَ	لِلَّذِيْ	وَجْهِيَ	وَجَّهْتُ
यकसू होकर	और ज़मीन को	आसमानों	पैदा किया	उसके लिए जिसने	अपने चेहरे का	रुख़ कर लिया मैं ने

اَتُحَآجُّوْٓنِّيْ	قَالَ	قَوْمُهٗ ط	وَحَآجَّهٗ	مِنَ الْمُشْرِكِيْنَ (79) ج	اَنَا	وَمَآ
क्या तुम झगड़ते हो मुझसे	उसने कहा	उसकी क़ौम ने	और झगड़ा किया उससे	मुशरिकीन में से	मैं	और नहीं

تُشْرِكُوْنَ	مَا	اَخَافُ	وَلَآ	هَدٰىنِ ط	وَقَدْ	فِي اللّٰهِ
तुम शरीक ठहराते हो	जिनको	मैं डरता (उनसे)	और नहीं	उसने हिदायत दी मुझे	हालांकि तहक़ीक़	अल्लाह के बारे में

كُلَّ	رَبِّيْ	وَسِعَ	شَيْـًٔا ط	رَبِّيْ	يَّشَآءَ	اَنْ	اِلَّآ	بِهٖٓ
हर	मेरे रब ने	अहाता कर रखा है	कोई चीज़	रब मेरा	चाहे	ये कि	मगर	साथ उसके

مَآ	اَخَافُ	وَكَيْفَ	تَتَذَكَّرُوْنَ (80)	اَفَلَا	عِلْمًا ط	شَيْءٍ
उससे जिसको	मैं डरूं	और क्यों कर	तुम नसीहत पकड़ते	क्या भला नहीं	इल्म के ऐतबार से	चीज़ का

لَمْ	مَا	بِاللّٰهِ	اَشْرَكْتُمْ	اَنَّكُمْ	تَخَافُوْنَ	وَلَا	اَشْرَكْتُمْ
नहीं	उसे जो	अल्लाह का	शरीक बनाया तुमने	कि बेशक तुम	तुम डरते	जबकि नहीं	शरीक बनाया तुमने

اَحَقُّ	الْفَرِيْقَيْنِ	فَاَيُّ	سُلْطٰنًا ط	عَلَيْكُمْ	بِهٖ	يُنَزِّلْ
ज़्यादा हक़दार है	दोनों गिरोहों में से	तो कौन सा	कोई दलील	तुम पर	जिसकी	उसने नाज़िल की

© AL-HUDA INTERNATIONAL WELFARE FOUNDATION

وقف لازم

بِالْأَمْنِ ج	إِنْ	كُنْتُمْ	تَعْلَمُونَ (81)	الَّذِينَ	آمَنُوا	وَلَمْ	يَلْبِسُوا
अमन का	अगर	हो तुम	तुम जानते	वो जो	ईमान लाए	और नहीं	उन्होंने मिलाया

ع 9 12 15

إِيمَانَهُمْ	بِظُلْمٍ	أُولَٰئِكَ	لَهُمُ	الْأَمْنُ	وَهُمْ	مُهْتَدُونَ (82) ع
अपने ईमान को	साथ ज़ुल्म के	यही लोग हैं	उनके लिए	अमन है	और वही	हिदायत याफ़्ता हैं

وَتِلْكَ	حُجَّتُنَا	آتَيْنَاهَا	إِبْرَاهِيمَ	عَلَىٰ قَوْمِهِ ط	نَرْفَعُ	دَرَجَاتٍ
और ये है	हुज्जत हमारी	दिया था हमने इसे	इब्राहीम को	उसकी क़ौम के ख़िलाफ़	हम बुलंद करते हैं	दरजात

مَنْ	نَشَاءُ ط	إِنَّ	رَبَّكَ	حَكِيمٌ	عَلِيمٌ (83)	وَوَهَبْنَا	لَهُ	إِسْحَاقَ
जिसके	हम चाहते हैं	बेशक	रब आपका	बहुत हिक्मत वाला है	बहुत इल्म वाला है	और अता किए हमने	उसे	इस्हाक़

وَيَعْقُوبَ ط	كُلًّا	هَدَيْنَا ج	وَنُوحًا	هَدَيْنَا	مِنْ قَبْلُ	وَمِنْ ذُرِّيَّتِهِ
और याक़ूब	हर एक को	हिदायत दी हमने	और नूह को	हिदायत दी हमने	इससे क़ब्ल	और उसकी औलाद में से

دَاوُودَ	وَسُلَيْمَانَ	وَأَيُّوبَ	وَيُوسُفَ	وَمُوسَىٰ	وَهَارُونَ ط	وَكَذَٰلِكَ
दाऊद	और सुलैमान	और अय्यूब	और यूसुफ़	और मूसा	और हारून को	और इसी तरह

نَجْزِي	الْمُحْسِنِينَ (84) لا	وَزَكَرِيَّا	وَيَحْيَىٰ	وَعِيسَىٰ	وَإِلْيَاسَ ط	كُلٌّ
हम बदला देते हैं	एहसान करने वालों को	और ज़करिया	और यहया	और ईसा	और इलियास	सब के सब

مِنَ الصَّالِحِينَ (85) لا	وَإِسْمَاعِيلَ	وَالْيَسَعَ	وَيُونُسَ	وَلُوطًا ط	وَكُلًّا
नेक लोगों में से थे	और इस्माईल	और अलयसअ	और यूनुस	और लूत	और हर एक को

فَضَّلْنَا	عَلَى الْعَالَمِينَ (86) لا	وَمِنْ آبَائِهِمْ	وَذُرِّيَّاتِهِمْ	وَإِخْوَانِهِمْ ج
फ़ज़ीलत दी हमने	तमाम जहान वालों पर	और उनके आबा ओ अजदाद में से	और उनकी औलाद में से	और उनके भाईयों में से

وَاجْتَبَيْنَاهُمْ	وَهَدَيْنَاهُمْ	إِلَىٰ صِرَاطٍ	مُسْتَقِيمٍ (87)	ذَٰلِكَ	هُدَى
और चुन लिया हमने उन्हें	और हिदायत दी हमने उन्हें	तरफ़ रास्ते	सीधे के	ये	हिदायत है

© AL-HUDA INTERNATIONAL WELFARE FOUNDATION

اللّٰهِ	يَهْدِيْ	بِهٖ	مَنْ	يَّشَآءُ	مِنْ عِبَادِهٖ ؕ	وَلَوْ	اَشْرَكُوْا
अल्लाह की	वो हिदायत देता है	साथ उसके	जिसे	वो चाहता है	अपने बंदों में से	और अगर	वो शिर्क करते

لَحَبِطَ	عَنْهُمْ	مَّا	كَانُوْا	يَعْمَلُوْنَ ﴿88﴾	اُولٰٓئِكَ	الَّذِيْنَ	اٰتَيْنٰهُمُ
अलबत्ता ज़ाया हो जाते	उनसे	जो	थे वो	वो अमल करते	यही लोग हैं	वो जो	दी हमने उन्हें

الْكِتٰبَ	وَالْحُكْمَ	وَالنُّبُوَّةَ ۚ	فَاِنْ	يَّكْفُرْ	بِهَا	هٰٓؤُلَآءِ	فَقَدْ
किताब	और हिक्मत	और नुबुव्वत	फिर अगर	कुफ़्र करते हैं	उसका	ये लोग	तो तहक़ीक़

وَكَّلْنَا	بِهَا	قَوْمًا	لَّيْسُوْا	بِهَا	بِكٰفِرِيْنَ ﴿89﴾	اُولٰٓئِكَ	الَّذِيْنَ
मुक़र्रर कर दिया हमने	साथ उसके	एक क़ौम को	नहीं हैं वो	उसका	इंकार करने वाले	यही वो लोग हैं	जिन्हें

هَدَى	اللّٰهُ	فَبِهُدٰىهُمُ	اقْتَدِهْ ؕ	قُلْ	لَّآ اَسْئَلُكُمْ	عَلَيْهِ
हिदायत दी	अल्लाह ने	पस उनकी हिदायत की	आप पैरवी कीजिए	कह दीजिए	नहीं मैं सवाल करता तुमसे	उस पर

10 ع 8 16

اَجْرًا ؕ	اِنْ	هُوَ	اِلَّا	ذِكْرٰى	لِلْعٰلَمِيْنَ ﴿90﴾ ع	وَمَا	قَدَرُوا
किसी अज्र का	नहीं	वो	मगर	एक नसीहत	तमाम जहान वालों के लिए	और नहीं	उन्होंने क़द्र की

اللّٰهَ	حَقَّ	قَدْرِهٖٓ	اِذْ	قَالُوْا	مَآ	اَنْزَلَ	اللّٰهُ	عَلٰى بَشَرٍ
अल्लाह की	जिस तरह हक़ है	उसकी क़द्र करने का	जब	उन्होंने कहा	नहीं	नाज़िल की	अल्लाह ने	किसी इंसान पर

مِّنْ شَيْءٍ ؕ	قُلْ	مَنْ	اَنْزَلَ	الْكِتٰبَ	الَّذِيْ	جَآءَ	بِهٖ
कोई चीज़	कह दीजिए	किसने	नाज़िल की	किताब	वो जो	लाए	उसे

مُوْسٰى	نُوْرًا	وَّهُدًى	لِّلنَّاسِ	تَجْعَلُوْنَهٗ	قَرَاطِيْسَ	تُبْدُوْنَهَا
मूसा	नूर	और हिदायत थी	लोगों के लिए	तुम बना देते हो उसे	वरक़-वरक़	तुम ज़ाहिर करते हो उसे

وَتُخْفُوْنَ	كَثِيْرًا ۚ	وَعُلِّمْتُمْ	مَّا	لَمْ	تَعْلَمُوْٓا	اَنْتُمْ	وَلَآ
और तुम छुपाते हो	बहुत सा	और सिखाए गए हो तुम	जो	नहीं	तुम जानते थे	तुम	और ना

© AL-HUDA INTERNATIONAL WELFARE FOUNDATION

يَلْعَبُوْنَ (91)	فِىْ خَوْضِهِمْ	ذَرْهُمْ	ثُمَّ	اللّٰهُ ۙ	قُلِ	اٰبَآؤُكُمْ ۗ
वो खेलते फिरें	अपनी बहस में	छोड़ दीजिए उन्हें	फिर	अल्लाह ने (उतारा है)	कह दीजिए	आबा ओ अजदाद तुम्हारे

بَيْنَ يَدَيْهِ	الَّذِىْ	مُّصَدِّقُ	مُبٰرَكٌ	اَنْزَلْنٰهُ	كِتٰبٌ	وَهٰذَا
इससे पहले है	उसकी जो	तस्दीक़ करने वाली	बरकत वाली	नाज़िल किया हमने उसे	किताब है	और ये

بِالْاٰخِرَةِ	يُؤْمِنُوْنَ	وَالَّذِيْنَ	حَوْلَهَا ۗ	وَمَنْ	اُمَّ الْقُرٰى	وَلِتُنْذِرَ
आख़िरत पर	ईमान रखते हैं	और वो जो	उसके इर्द-गिर्द है	और जो	अहले मक्का को	और ताकि आप डराएं

اَظْلَمُ	وَمَنْ	يُحَافِظُوْنَ (92)	عَلٰى صَلَاتِهِمْ	وَهُمْ	بِهٖ	يُؤْمِنُوْنَ
बड़ा ज़ालिम है	और कौन	वो हिफ़ाज़त करते हैं	अपनी नमाज़ की	और वो	उस पर	वो ईमान लाते हैं

وَلَمْ	اِلَىَّ	اُوْحِىَ	قَالَ	اَوْ	كَذِبًا	عَلَى اللّٰهِ	افْتَرٰى	مِمَّنِ
हालांकि नहीं	तरफ़ मेरे	वही की गई	वो कहे	या	झूठ	अल्लाह पर	गढ़ ले	उससे जो

مَآ	مِثْلَ	سَاُنْزِلُ	قَالَ	وَّمَنْ	شَىْءٌ	اِلَيْهِ	يُوْحَ
उसके जो	मानिंद	ज़रूर मैं नाज़िल करूंगा	कहे	और जो	कोई चीज़	तरफ़ उसके	वही की गई

الْمَوْتِ	فِىْ غَمَرٰتِ	الظّٰلِمُوْنَ	اِذِ	تَرٰٓى	وَلَوْ	اللّٰهُ ۗ	اَنْزَلَ
मौत की	सख़्तियों में होंगे	ज़ालिम	जब	आप देखें	और काश	अल्लाह ने	नाज़िल किया

اَلْيَوْمَ	اَنْفُسَكُمْ ۗ	اَخْرِجُوْٓا	اَيْدِيْهِمْ ۚ	بَاسِطُوْٓا	وَالْمَلٰٓئِكَةُ
आज	जानें अपनी	निकालो	अपने हाथों को	फैलाए हुए होंगे	और फ़रिश्ते

عَلَى اللّٰهِ	تَقُوْلُوْنَ	كُنْتُمْ	بِمَا	الْهُوْنِ	عَذَابَ	تُجْزَوْنَ
अल्लाह पर	तुम कहते	थे तुम	बवजह उसके जो	रुसवाई का	अज़ाब	तुम बदला दिए जाओगे

جِئْتُمُوْنَا	وَلَقَدْ	تَسْتَكْبِرُوْنَ (93)	عَنْ اٰيٰتِهٖ	وَكُنْتُمْ	غَيْرَ الْحَقِّ
आ गए तुम हमारे पास	और अलबत्ता तहक़ीक़	तुम तकब्बुर करते	उसकी आयात से	और थे तुम	नाहक़

© AL-HUDA INTERNATIONAL WELFARE FOUNDATION

خَوَّلْنٰكُمْ	مَّا	وَّ تَرَكْتُمْ	مَرَّةٍ	اَوَّلَ	خَلَقْنٰكُمْ	كَمَا	فُرَادٰى
दिया हमने तुम्हें	जो	और छोड़ आए तुम	बार	पहली	पैदा किया था हमने तुम्हें	जैसा कि	अकेले-अकेले

الَّذِيْنَ	شُفَعَآءَكُمُ	مَعَكُمْ	نَرٰى	وَمَا	ظُهُوْرِكُمْ ج	وَرَآءَ
वो जो	तुम्हारे सिफ़ारशियों को	साथ तुम्हारे	हम देखते	और नहीं	अपनी पुश्तों के	पीछे

وَضَلَّ	بَيْنَكُمْ	تَّقَطَّعَ	لَقَدْ	شُرَكٰٓؤُا ط	فِيْكُمْ	اَنَّهُمْ	زَعَمْتُمْ
और गुम हो गया	तुम्हारे दर्मियान	कट गया (ताल्लुक़)	अलबत्ता तहक़ीक़	शरीक हैं	तुम में	कि बेशक वो	गुमान किया था तुमने

ع 11 4 17

الْحَبِّ	فَالِقُ	اللّٰهَ	اِنَّ	تَزْعُمُوْنَ ﴿94﴾ ع	كُنْتُمْ	مَّا	عَنْكُمْ
दाने	फाड़ने वाला है	अल्लाह	बेशक	तुम गुमान किया करते	थे तुम	वो जो	तुमसे

مِنَ الْحَيِّ ط	الْمَيِّتِ	وَمُخْرِجُ	مِنَ الْمَيِّتِ	الْحَيَّ	يُخْرِجُ	وَالنَّوٰى ط
ज़िंदा से	मुर्दा को	और निकालने वाला है	मुर्दा से	ज़िंदा को	वो निकालता है	और गुठली को

الَّيْلَ	وَجَعَلَ	الْاِصْبَاحِ ج	فَالِقُ	تُؤْفَكُوْنَ ﴿95﴾	فَاَنّٰى	اللّٰهُ	ذٰلِكُمُ
रात को	और उसने बनाया	सुबह का	फाड़ने वाला है	तुम फेरे जाते हो	तो कहां से	अल्लाह	ये है

الْعَزِيْزِ	تَقْدِيْرُ	ذٰلِكَ	حُسْبَانًا ط	وَّالْقَمَرَ	وَّالشَّمْسَ	سَكَنًا
बहुत ज़बरदस्त का	अंदाज़ा है	ये	हिसाब का ज़रिया	और चांद को	और सूरज	बाइसे सुकून

بِهَا	لِتَهْتَدُوْا	النُّجُوْمَ	لَكُمُ	جَعَلَ	الَّذِيْ	وَهُوَ	الْعَلِيْمِ ﴿96﴾
उनके ज़रीए	ताकि तुम राह पाओ	सितारे	तुम्हारे लिए	बनाए	जिसने	और वो ही है	बहुत इल्म वाले का

لِقَوْمٍ	الْاٰيٰتِ	فَصَّلْنَا	قَدْ	وَالْبَحْرِ ط	الْبَرِّ	فِيْ ظُلُمٰتِ
उन लोगों के लिए	आयात	खोल कर बयान कर दीं हमने	तहक़ीक़	और समुन्दर की	खुश्की की	तारीकियों में

فَمُسْتَقَرٌّ	مِّنْ نَّفْسٍ وَّاحِدَةٍ	اَنْشَاَكُمْ	الَّذِيْٓ	وَهُوَ	يَّعْلَمُوْنَ ﴿97﴾
फिर एक रहने की जगह	एक जान से	पैदा किया तुम्हें	जिसने	और वही है	जो इल्म रखते हैं

AL-HUDA INTERNATIONAL WELFARE FOUNDATION

يَّفْقَهُوْنَ (98)	لِقَوْمٍ	الْاٰيٰتِ	فَصَّلْنَا	قَدْ	وَّمُسْتَوْدَعٌ ؕ
जो समझते हैं	उन लोगों के लिए	आयात	खोल कर बयान कर दीं हमने	तहक़ीक़	और एक सुपुर्द किए जाने की जगह है

نَبَاتَ	بِهٖ	فَاَخْرَجْنَا	مَآءً ۚ	مِنَ السَّمَآءِ	اَنْزَلَ	الَّذِیْٓ	وَهُوَ
पैदावार	साथ उसके	फिर निकाली हमने	पानी	आसमान से	उतारा	जिसने	और वो ही है

حَبًّا	مِنْهُ	نُّخْرِجُ	خَضِرًا	مِنْهُ	فَاَخْرَجْنَا	شَیْءٍ	كُلِّ
दाने	उससे	हम निकालते हैं	सब्ज़ा	उससे	फिर निकाला हमने	चीज़ की	हर

وَّجَنّٰتٍ	دَانِیَةٌ	قِنْوَانٌ	مِنْ طَلْعِهَا	وَمِنَ النَّخْلِ	مُّتَرَاكِبًا ۚ
और बाग़ात	झुके हुए	ख़ोशे	उनके शगूफ़ों से	और खजूरों से	तय-ब-तय

مُتَشَابِهٍ ؕ	وَّغَیْرَ	مُشْتَبِهًا	وَالرُّمَّانَ	وَّالزَّیْتُوْنَ	مِّنْ اَعْنَابٍ
मिलते-जुलते	और नहीं भी	मिलते-जुलते	और अनार	और ज़ैतून	अंगूरों के

فِیْ ذٰلِكُمْ	اِنَّ	وَیَنْعِهٖ ؕ	اَثْمَرَ	اِذَآ	ثَمَرِهٖٓ	اِلٰى	اُنْظُرُوْٓا
उसमें	बेशक	और उसके पकने के	वो फल लाए	जब	उसके फल के	तरफ़	देखो

الْجِنَّ	شُرَكَآءَ	لِلّٰهِ	وَجَعَلُوْا	یُّؤْمِنُوْنَ (99)	لِّقَوْمٍ	لَاٰیٰتٍ
जिन्नों को	शरीक	अल्लाह के लिए	और उन्होंने बना लिया	जो ईमान रखते हों	उन लोगों के लिए	अलबत्ता निशानियां हैं

عِلْمٍ ؕ	بِغَیْرِ	وَبَنٰتٍۭ	بَنِیْنَ	لَهٗ	وَخَرَقُوْا	وَخَلَقَهُمْ
इल्म के	बग़ैर	और बेटियां	बेटे	उसके लिए	और उन्होंने गढ़ लिए	हालांकि उसने पैदा किया उन्हें

وَالْاَرْضِ ؕ	السَّمٰوٰتِ	بَدِیْعُ	یَصِفُوْنَ (100) ع	عَمَّا	وَتَعٰلٰى	سُبْحٰنَهٗ
और ज़मीन का	आसमानों	मूजिद है	वो वस्फ़ बयान करते हैं	उससे जो	और बुलंदतर है	पाक है वो

ع 12 6 18

صَاحِبَةٌ ؕ	لَّهٗ	تَكُنْ	وَّلَمْ	وَلَدٌ	لَهٗ	یَكُوْنُ	اَنّٰى
कोई बीवी	उसकी	है	हालांकि नहीं	कोई औलाद	उसकी	हो सकती है	क्यों कर

AL-HUDA INTERNATIONAL WELFARE FOUNDATION

وَخَلَقَ	كُلَّ	شَيْءٍ ج	وَهُوَ	بِكُلِّ	شَيْءٍ	عَلِيْمٌ (101)	ذٰلِكُمُ
और उसने पैदा किया	हर	चीज़ को	और वो	हर	चीज़ को	ख़ूब जानने वाला है	ये है

اللّٰهُ	رَبُّكُمْ ج	لَآ	اِلٰهَ	اِلَّا	هُوَ ج	خَالِقُ	كُلِّ	شَيْءٍ
अल्लाह	रब तुम्हारा	नहीं	कोई इलाह (बर हक़)	मगर	वो ही	पैदा करने वाला है	हर	चीज़ का

فَاعْبُدُوْهُ ج	وَهُوَ	عَلٰى	كُلِّ	شَيْءٍ	وَّكِيْلٌ (102)	لَا تُدْرِكُهُ	الْاَبْصَارُ ز
पस इबादत करो उसी की	और वो	ऊपर	हर	चीज़ के	कारसाज़ है	नहीं पा सकतीं उसे	निगाहें

وَهُوَ	يُدْرِكُ	الْاَبْصَارَ ج	وَهُوَ	اللَّطِيْفُ	الْخَبِيْرُ (103)	قَدْ	جَآءَكُمْ
और वो	वो पा लेता है	निगाहों को	और वो	बहुत बारीक बीन है	ख़ूब बाख़बर है	तहक़ीक़	आ गईं तुम्हारे पास

بَصَآئِرُ	مِنْ رَّبِّكُمْ ج	فَمَنْ	اَبْصَرَ	فَلِنَفْسِهٖ ج	وَمَنْ	عَمِيَ
खुली दलीलें	तुम्हारे रब की तरफ़ से	तो जिसने	देख लिया	तो उसके अपने लिए है	और जो	अंधा हुआ

فَعَلَيْهَا ط	وَمَآ	اَنَا	عَلَيْكُمْ	بِحَفِيْظٍ (104)	وَكَذٰلِكَ	نُصَرِّفُ
तो उसी पर है	और नहीं	मैं	तुम पर	कोई निगरां	और इसी तरह	हम फेर-फेर कर लाते हैं

الْاٰيٰتِ	وَلِيَقُوْلُوْا	دَرَسْتَ	وَلِنُبَيِّنَهٗ	لِقَوْمٍ	يَّعْلَمُوْنَ (105)
आयात को	और ताकि वो कहें	पढ़ लिया है तूने	और ताकि हम बयान करें उसे	उन लोगों के लिए	जो इल्म रखते हैं

اِتَّبِعْ	مَآ	اُوْحِيَ	اِلَيْكَ	مِنْ رَّبِّكَ ج	لَآ	اِلٰهَ	اِلَّا
पैरवी कीजिए	उसकी जो	वही किया गया	तरफ़ आपके	आपके रब की तरफ़ से	नहीं	कोई इलाह (बरहक़)	मगर

هُوَ ج	وَاَعْرِضْ	عَنِ الْمُشْرِكِيْنَ (106)	وَلَوْ	شَآءَ	اللّٰهُ	مَآ	اَشْرَكُوْا ط
वही	और ऐराज़ कीजिए	मुशरिकीन से	और अगर	चाहता	अल्लाह	ना	वो शिर्क करते

وَمَا	جَعَلْنٰكَ	عَلَيْهِمْ	حَفِيْظًا ج	وَمَآ	اَنْتَ	عَلَيْهِمْ	بِوَكِيْلٍ (107)
और नहीं	बनाया हमने आपको	उन पर	मुहाफ़िज़	और नहीं	आप	उन पर	कोई कारसाज़

© AL-HUDA INTERNATIONAL WELFARE FOUNDATION

وَلَا	تَسُبُّوا	الَّذِيْنَ	يَدْعُوْنَ	مِنْ دُوْنِ	اللّٰهِ	فَيَسُبُّوا	اللّٰهَ
और ना	तुम गाली दो	उनको जिन्हें	वो पुकारते हैं	सिवाए	अल्लाह के	तो वो गाली देंगे	अल्लाह को

عَدْوًا	بِغَيْرِ	عِلْمٍ ؕ	كَذٰلِكَ	زَيَّنَّا	لِكُلِّ	اُمَّةٍ	عَمَلَهُمْ ۖ
ज़्यादती करके	बग़ैर	इल्म के	इसी तरह	मुज़य्यन कर दिए हमने	वास्ते हर	उम्मत के	अमल उनके

ثُمَّ	اِلٰى رَبِّهِمْ	مَّرْجِعُهُمْ	فَيُنَبِّئُهُمْ	بِمَا	كَانُوْا	يَعْمَلُوْنَ (108)
फिर	तरफ़ अपने रब के	लौटना है उनका	फिर वो बता देगा उन्हें	वो जो	थे वो	वो अमल करते

وَاَقْسَمُوْا	بِاللّٰهِ	جَهْدَ	اَيْمَانِهِمْ	لَئِنْ	جَآءَتْهُمْ	اٰيَةٌ
और उन्होंने क़समें खाईं	अल्लाह की	पक्की	क़समें अपनी	अलबत्ता अगर	आई उनके पास	कोई निशानी

لَّيُؤْمِنُنَّ	بِهَا ؕ	قُلْ	اِنَّمَا	الْاٰيٰتُ	عِنْدَ اللّٰهِ	وَمَا
अलबत्ता वो ज़रूर इमान लाऐंगे	उस पर	कह दीजिए	बेशक	निशानियां	पास हैं अल्लाह के	और क्या चीज़

يُشْعِرُكُمْ ۙ	اَنَّهَآ	اِذَا	جَآءَتْ	لَا يُؤْمِنُوْنَ (109)	وَنُقَلِّبُ
आगाह करे तुम्हें	कि बेशक वो	जब	वो आ जाएंगी	नहीं वो ईमान लाऐंगे	और हम फेर देंगे

اَفْـِٕدَتَهُمْ	وَاَبْصَارَهُمْ	كَمَا	لَمْ	يُؤْمِنُوْا	بِهٖٓ	اَوَّلَ
उनके दिलों को	और उनकी निगाहों को	जैसा कि	नहीं	वो ईमान लाए	उस पर	पहली

مَرَّةٍ	وَّنَذَرُهُمْ	فِيْ طُغْيَانِهِمْ	يَعْمَهُوْنَ (110) ع
बार	और हम छोड़ देंगे उन्हें	उनकी सरकशी में	वो भटकते फिरेंगे

ع 13 10 19

© AL-HUDA INTERNATIONAL WELFARE FOUNDATION